

रजिस्ट्री सं० डी-222



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 7, 1974 (भाद्र 16, 1896)

No. 36]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 7, 1974 (BHADRA 16, 1896)

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 जुलाई 1974

सं० ए० 12022/6/74-प्रशा०-I—भारतीय डाक सेवा के अधिकारी श्री जगदीश चन्द्र ने 19 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थाई अधिकारी श्री आर० पंडित को, राष्ट्रपति द्वारा 26-6-74 से 25-9-74 तक 3 मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव  
(प्रशामन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 अगस्त 1974

सं० ए० 12022/2/74-प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थाई चयन ग्रेड अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग

I-226GI/74

(4985)

में परीक्षा नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री डी० आर० कोहली को, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा, डा० डी० एस० कोठारी की अध्यक्षता में गठित भर्ती नीति एवं चयन पद्धति समिति के सचिव के पद पर 15 जुलाई, 1974 से 28-2-1975 तक की अतिरिक्त अवधि में कार्य करते रहने की अनुमति दी गई है।

एम० आर० भागवत,  
अवर सचिव  
इसे अध्यक्ष  
संघ लोक सेवा आयोग

#### संश्लिष्ट सचिवालय

#### प्रवर्तन निदेशालय

#### कानिफ तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1974

फा० सं० ए०-11/46/74—श्री जे० एन० वर्मा निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, कानपुर को इसके द्वारा प्रवर्तन निदेशालय के आगरा उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 12-7-74 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन,  
विशेष निदेशक

**केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो**

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1974

सं० पी० एफ०/के०-3/70-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री के० के० पुरी, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश) को दिनांक 29 जुलाई, 1974 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए, विशेष पुलिस स्थापना, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में, स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अगस्त 1974

सं० पी० एफ०/एम०-74-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से बिहार संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री एम० के० सक्सेना को दिनांक 3 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर, सहायक निदेशक (इंटरपोल) प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, नियुक्त करते हैं।

सं० बी०/74-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री विष्णु देव महेश्वरी, स्थाई निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० ए०-1 को दिनांक 3-8-74 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में पदोन्नत करते हैं।

सं० बी०/74-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री भोलन दास स्थाई निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० ए०-1 को दिनांक 4-8-74 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में पदोन्नत करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल  
प्रशासन अधिकारी (स्था)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1974

सं० पी० एफ०/एम०-247/74-प्रशा०-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री एस० बी० सिन्हा, उप निरीक्षक को दिनांक 8 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अहमदाबाद शाखा में, अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में पदोन्नत करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना

**गृह मंत्रालय****महानिरीक्षक का कार्यालय****केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल**

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 मई 1974

सं० ई०-33013/1/74-प्रशा०-1—त्यागपत्र स्वीकृत होने पर, श्री एंथोनी पालोस, ने दिनांक 3 मई, 1974 के अपराह्न से

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बैंक नोट प्रेस, देवास, खुफिया स्कंध के पुलिस उपाधीक्षक पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 6 अगस्त 1974

सं० ई०-16016/10/73-प्रशा०-1—अपने भूत कार्यालय, रेलवे मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), को वापसी पर, श्री आर० पी० विश्वास अनुभाग अधिकारी, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, ने दिनांक 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ई० 16014(1)/26/73-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, श्री धर्म वीर बहल, प्रतिनियुक्ति पर, को दिनांक 1-7-74 के पूर्वाह्न से, वर्तमान रिक्त स्थान होने पर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 8वीं बटालियन के कमांडेंट पद पर नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

एल० एस० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

**भारत सरकार टकसाल****आवेश**

कलकत्ता, दिनांक अगस्त, 1974

सं० पि० 317—भारत सरकार टकसाल, अलिपुर, कलकत्ता के इंजीनियर श्री हरिपद दास को इंजीनियर (सेलेक्शन ग्रेड) के रूप में सि० सि० एस० (आर० पी०) नियम, 1973 अनुसार 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान (ग्रेड II) स्थानापन्न रूप में, आगामी आदेश जारी होने तक, 14-3-73 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

डि० सि० मुखर्जी,  
टकसाल अधिकर्ता

**कार्यालय : महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व**

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० प्रशा०-1/5-5/पदोन्नति/74-75/1196—श्रीमान महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के श्री एस० एल० बंसिल स्थाई अनुभाग अधिकारी को लेखा अधिकारी के पद पर समय वेतनमान रु० 840-1200 में 22 जुलाई, 74 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

**भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग****महालेखाकार का कार्यालय बिहार,**

रांची-2, दिनांक अगस्त 1974

महालेखाकार, बिहार, अपने कार्यालय के श्री जगदीश नारायण स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 20-5-74 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री लाल गोपाल मित्रा स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 29-6-74 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री ब्रज बिहारी प्रसाद स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 20-5-74 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री पार्ष्णी शंकर प्रसाद स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 29-4-74 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री देव कुमार सेन स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 29-4-74 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

बच्चू प्रसाद सिन्हा,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार, (प्रशा०)

#### महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक 1974

महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री एस० एम० रहीम सुल्ला को दिनांक 18-7-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, अगले आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

महालेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा-सेवा के सदस्य श्री ए० सि० पिटो को दिनांक 20-7-74 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में, अगले आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

र० रामन्,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

#### महालेखाकार का कार्यालय, तमिलनाडु

महालेखाकार तमिलनाडु, की अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थानापन्न सदस्य श्री ए० जगन्नाथन् को उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में 30-10-73 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया गया है। उनकी पदोन्नति उनसे प्रवर व्यक्तियों के दावों से पर प्रतिकूल प्रभाव रहित है।

य० पदोन्नति के आदेश अंतः कालीन तौर पर किए गए हैं। यह आदेश उच्च न्यायालय के रीट याचिका क्र० सं० 2213 तथा 4241 से 4244 (1970) में दिए गए निर्णय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल सिविल अपील क्र० सं० 1584 से 1588 (1973) में उस न्यायालय के विनिश्चय से प्रतिकूल प्रभाव रहित है।

महालेखाकार तमिलनाडु, (I और II) की अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित स्थायी सदस्यों को उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में उनके नाम के प्रति निर्देशित दिनों से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया गया है। यह आदेश उनके प्रवर व्यक्तियों के दावों पर प्रतिकूल प्रभाव रहित है।

यह पदोन्नति के आदेश अंतः कालीन तौर पर किए गए हैं। यह आदेश उच्च न्यायालय के रीट याचिका क्र० सं० 2213 तथा 4241 से 4244 (1970) में दिए गए निर्णय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल सिविल अपील क्र० सं० 1584 से 1588 (1973) में उस न्यायालय के विनिश्चय से प्रतिकूल प्रभाव रहित है।

सं०	नाम	दिनांक
सर्व श्री		
1.	सी० एस० जगदम्बाल	31-10-73 पूर्वाह्न
2.	एन० ए० दामोदरन्	"
3.	भी० रङ्गरत्नम्	"
4.	आर० सम्पूर्णम्	"
5.	ए० सीतारामन्	"
6.	एस० अब्दुल जलील	"
7.	एन० मुनुस्वामी-I	"
8.	जी० नागराजन्-I	"
9.	चार्ल्स वी० ए० मोसस	"
10.	के० एस० रङ्गसामि	"
11.	पी० एस० शिवगुरु	"
12.	आर० वेंकटरामन्-II	1-11-73 "
13.	आर० तुलसीरामन्	19-11-73 "
14.	ए० के० रामन्	1-11-73 "
15.	टी० एस० वैद्यनाथन्-II	" "
16.	ए० पी० श्रीनिवासन्	" "
17.	वी० रामचन्द्रन्-I	22-12-73 "
18.	एस० कुप्पुस्वामी	22-12-73 "
19.	एस० नागराजन्-I	" "
20.	टी० टी० सुन्दरम्	" "
21.	आर० पद्मनाभन्	24-12-73 "
22.	टी० वरदाचारि	17-1-74 "
23.	पी० सी० रघुनाथन्	13-3-74 "
24.	एस० एस० मुरलीदरन्	" "
25.	आर० जोसफ लियो	" "
26.	एस० रामानुजम्	8-4-74 "
27.	पी० ए० महादेवन्	" "
28.	बी० एस० राधाकृष्णम्	3-5-74 "
29.	एन० कृष्णमूर्ति-I	3-5-74 "
30.	आर० श्रीनिवासन्-XVI	" "
31.	आर० रामकृष्णन्	15-5-74 "
32.	जी० वेल्	15-5-74 "

ह० अपठनीय  
लेखाधिकारी

## रक्षा लेखा विभाग

## कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त, 1974

सं० 40011 (2)/74-प्रशा० ए०—वार्षिक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा।

क्रम संख्या	नाम रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
1.	एम० एल० मलिक (पी०/152)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-75(अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ
2.	बी० आर० मराठे (पी०/410)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-74(अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुना
3.	पी० सी० सोनी (पी०/424)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-75(अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
4.	के० एस० बेदी (पी०/474)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-75(अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
5.	ए० एन० गुहा (पी०/631)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-75(अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
6.	एस० पी० अग्रवाल (ओ०/79)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-75(अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
7.	आर० आर० शर्मा (ओ०/88)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-75(अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ

सं० 18218/प्रशा०-II—20-10-74 को वार्षिक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री सी० एल० ब्योत्रा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी को 1-11-74 (पूर्वाह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

सं० 18119/प्रशा०-II—6-5-74 को वार्षिक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री के० पी० कुन्डू, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी को 31-5-74 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया गया और विभाग की नफरी से निकाल दिया गया।

## शुद्धि-पत्र

2. इस कार्यालय की श्री के० पी० कुन्डू सम्बन्धी अधिसूचना सं० 18119/प्रशा०-II दिनांक 29-3-74, जो कि भारत के राजपत्र भाग 111 खण्ड 1 (पृष्ठ 2356) दिनांक 23-4-74 में प्रकाशित हुई, रद्द की जाती है।

एस० के० सुन्दरम,  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

## औद्योगिक विकास मंत्रालय

## विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जलाई 1974

संख्या ए० 19018/145/74—प्रशा० राज० लघु उद्योग सेवा संस्थान कानपुर में अर्धस्थायी अन्वेषक तथा स्थानापन्न लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री बी० एम० एल० त्रिपाठी को विकास आयुक्त लघु उद्योग लघु उद्योग सेवा संस्थान इन्दौर में सहायक निदेशक ग्रेड-2 के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं। श्री त्रिपाठी ने सहायक निदेशक ग्रेड-2 के पद का कार्यभार दिनांक 20 जून, 1974 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

दिनांक 16 अगस्त 1974

सं० ए० 19018/136/74-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, लघु उद्योग सेवा संस्थान कलकत्ता में स्थायीवत् अन्वेषक व स्थानापन्न लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री बी० बी० बी० चटर्जी को लघु उद्योग सेवा संस्थान गौहाटी के अंतर्गत शाखा संस्थान अगरतला में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं। श्री चटर्जी ने 12 जून, 1974 को पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

के० बी० नारायणन,  
उप-निदेशक (प्रशासन)



## वाणिज्य मंत्रालय

## वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 16 अगस्त 1974

सं० सी० एल० बी० 1/5/65 ए०/74—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से भै एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/5/65 ए०, दिनांक 4 मार्च, 1966 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 3 में क्रम संख्या 11सी० के सामने “मुख्यालय तथा प्रादेशिक कार्यालयों के निदेशक-गण, वरिष्ठ प्रवर्तन अधिकारी-गण और उप-निदेशक-गण” इन शब्दों और चिह्नों के स्थान पर “मुख्यालय के निदेशक-गण, वरिष्ठ प्रवर्तन अधिकारी-गण, उप-निदेशक-गण और प्रादेशिक कार्यालयों के निदेशक-गण, वरिष्ठ प्रवर्तन अधिकारी-गण, उपनिदेशक-गण और सहायक निदेशक-गण” ये शब्द और चिह्न प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

गौरी शंकर भांगव,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 6 अगस्त 1974

सं० 10(1)/73-74/सी० एल० बी०-11—कपास नियंत्रण आदेश, 1955 के खंड 5(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10(1)/73-74/सी० एल० बी०-11, दिनांक 11 अप्रैल, 1974 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची के स्तंभ 3 में क्रमसंख्या 1 के सामने की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“2 मास की औसत मासिक खपत के समतुल्य परिमाण से अधिक नहीं।”

संजय कुमार बागची,  
वस्त्र आयुक्त

## मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

## आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 6/768/65-(जी०)—सेवा निवर्तन आयुक्त प्राप्त करने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के अधिकारी, श्री एस० बी० गुप्त, ने 31 जुलाई, 1974 के अपराह्न से इस कार्यालय में नियंत्रक आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० डी० कुमार,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

## (प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक अगस्त 1974

सं० प० 1/1(447)—पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में स्थाई अधीक्षक तथा पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री ए० एम० मान-कीकर दिनांक 30-4-1974 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एस० के० जोशी,  
उप निदेशक (प्रशा०)  
हुसे महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

## भारतीय सर्वेक्षण विभाग

## महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 10 अगस्त 1974

सं० ई०-1-4889/579-चुनाव-70 (श्रेणी-II)—श्री सतीश कुमार गुप्ता को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक के अस्थायी पद पर भारतीय सर्वेक्षण विभाग की श्रेणी II सेवा में 650.00 रु० प्रतिमाह वेतन पर 650-30-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 3 जून, 1974 पूर्वाह्न से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण,  
महासर्वेक्षक

## इस्पात और खान मंत्रालय

## (खान विभाग)

## भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1973

सं० 2222 (आर० सी० बी०)/19 ए०—श्री रमेश चन्द्र भण्डारी को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 15-4-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222(के० एस० ए०)/19 ए०—श्री के० श्रीधर आदिगा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 20-4-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2503(IV)ए०/19 बी०—डा० पी० डी० मल्होत्रा ने अधीक्षक रसायनज्ञ के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संयुक्त अरब गणराज्य में विदेश समनुदेशन से वापसी पर, 20-4-1974 के पूर्वाह्न से ग्रहण कर लिया है।

सं० 3/71/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारी श्री टी० जी० एस० अय्यर निवर्तन पर सरकारी सेवा से 3 अप्रैल, 1974 (अपराह्न) से निवृत्त हो गए।

सं० 3/71/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारी श्री जी० एस० ग्रेवाल निवर्तन पर सरकारी सेवा से 5 मई, 1974 (पूर्वाह्न) से निवृत्त हो गए।

सं० 91/59/19 बी०—राष्ट्रपति सहायक श्री अशीष करन्जे को यांत्रिक अभियंता (कनिष्ठ) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700 रु० माहवार के न्यूनतम वेतन में 700-40-900-६० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 24 मई, 1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० 2251(ओ० पी० एस०)/19 बी०—श्री ओम प्रकाश शर्मा, वरिष्ठ ड्रिलिंग सहायक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को इसी विभाग में ड्रिलर के पद पर वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 24 जून, 1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सी० कृष्णाकरन,  
महा निदेशक

### भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-11, दिनांक 14 अगस्त 1974

सं० 14/4/74-एम०—प्राचीन स्मारक, पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष नियम, 1959 के नियम 6 द्वारा प्राप्त अधिकारों के अधीन में, श्रीमती देवला मित्रा, निदेशक (स्मारक) निदेश करती हैं कि ताजमहल, आगरा (यू० पी०) में निम्नलिखित तिथियों में प्रवेश निःशुल्क होगा।

15 अगस्त, 1974 को सांय 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक,  
16 अगस्त, 1974 को सांय 4 बजे से प्रातः 4 बजे (दिनांक 17 अगस्त) और 17 अगस्त, 1974 को सुबह 6 बजे से प्रातः 4 बजे (दिनांक 18 अगस्त)।

डी० मित्रा,  
निदेशक (स्मारक)  
हस्ते महानिदेशक

### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 17 मई 1974

सं० ई०-11(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-11 (7), दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 3-प्रभाग 2 के अन्तर्गत 'गनकॉटन' की प्रविष्टि के बावें 'नाइट्रो-गुनाडाइन' जोड़ दिया जाए।

इंगुव नरसिंह मूर्ति,  
मुख्य नियंत्रक (विस्फोटक)

### सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 12 अगस्त 1974

सं० 6/17/54-सीबन्दी-I—श्री एम० के० विग्ने स्थानापन्न केमरामैन (कार्टून फिल्म यूनिट) की छुट्टी खत्म होने के कारण श्री आर० बी० म्हास्त्रे दिनांक 3-8-1974 के अपराह्न से केमरामैन के पद पर प्रत्यावर्तित माने जाएंगे।

के० एस० कुडवा,  
प्रशासकीय अधिकारी  
हस्ते प्रमुख निर्माता

### विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० 7/39/68-स्था०-2—श्री आर० पी० पुष्प, स्थाई प्रदर्शनी सहायक को क्षेत्र प्रदर्शनी अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए इस निदेशालय, अहमदाबाद में अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर 24-6-74 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

रोशन लाल जैन,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
हस्ते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 1-100/74-इस्ट०-1—डा० छज्जू मल गोयल ने अपने त्याग-पत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 31 जुलाई, 1974 को अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

के० वेणुगोपाल,  
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 36-14/72-एडमिन-I—कुमारी कुसुम लता ने 4 जुलाई, 1974 को पूर्वाह्न में विलिंगडन अस्पताल और परिचर्या गृह, नई दिल्ली में आहारविद् के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 26-13/73-एडमिन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती आशा नाथन को पहली जून, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में पुस्तकाध्यक्ष प्रथम ग्रेड के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल  
उप निदेशक (प्रशासन)

**कृषि मंत्रालय****(सहकारिता विभाग)****विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय****प्रधान कार्यालय**

फरीदाबाद, दिनांक जुलाई 1974

सं० फा० 3/235/66 प्र० फरी०-I—श्री पी० एस० जगन्नाथ बाबू, विपणन अधिकारी वर्ग-I, ओंगल, को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन गुन्डूर में दिनांक 21 जून, 1974 के पूर्वाह्न से दिनांक 14 जुलाई, 1974 के अपराह्न तक पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी वर्ग-प्रथम नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 19 अगस्त 1974

सं० फा० 4-5(10) 74 प्रशा०-1—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री श्याम सुन्दर प्रसाद राव को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन शाहिबाबाद (उत्तर प्रदेश) में दिनांक 15 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर विपणन अधिकारी, (वर्ग-III) नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव,  
कृषि विपणन सलाहकार

**भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र****(कार्मिक प्रभाग)**

बम्बई-85, दिनांक 30 जुलाई 1974

सं० पी० ए०/73(5)/73-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, डा० (श्रीमती) शशिकला रजनीकांत त्रिभुवन को इसी अनुसंधान केन्द्र में 19 जून, 1974 के पूर्वाह्न से 16 अगस्त, 1974 के अपराह्न तक, अथवा आगामी आदेश तक के लिए जो भी पहले हो, अस्थायी रूप से स्थानापन्न स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/73(5)/73-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, डा० धर्मराज हेलीगाड पाटिल को 1 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से दो महीने के लिए अथवा आगामी आदेश तक के लिए जो भी पहले हो, इसी अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप से स्थानापन्न स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकुण्णन्,  
उपस्थापना अधिकारी (भ)

बम्बई-400 085, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० 1/1/71/स्था०/XII/1194—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री देव नारायण बग्ची, इस अनुसंधान केन्द्र के स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी को इसी अनुसंधान केन्द्र में श्री

एल० एच० करमचंदानी, सुरक्षा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 25-3-74 (पूर्वाह्न) से 14-4-1974 (अपराह्न) तक स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० शांताकुमार मेनन,  
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक अगस्त 1974

सं० बी० /620/लेखा/स्था०-JII/932—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री शंकर विष्णु भावे, सहायक लेखाकार को इस अनुसंधान केन्द्र में श्री एस० ए० भा, सहायक लेखाधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 15-4-74 से 10-6-74 के काल के लिए और श्री एस० जी० जोशी, सहायक लेखाधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 11-6-74 से 5-10-74 के काल के लिये अस्थायी रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सी० जे० जोसेफ,  
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० 19(6)/(एस० बी०)/70—स्था०-13/693—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इसके द्वारा, श्री रामराव सवनाल एक अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (एस० सी० I), ईंधन पुनर्संस्धान प्रभाग, को 1 फरवरी, 1969 से मौलिक रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

**शुद्धि-पत्र**

इस केन्द्र के दिनांक 24 जनवरी 1974 की अधिसूचना सं० 19(6)/(एस० बी०)/70-स्था० XIII/139 श्री एस० एम० थापर (क्र० सं० 10) के संबंध में "इस समय स्थाई/स्थानापन्न पद और प्रभाग" के स्तंभों में डाफ्टमैन (सी०)/एस० बी० और रिऐक्टर परिचालन के स्थान पर क्रमशः डाफ्टमैन (सी०)/एस० सी० 1 और आर-5 परियोजना संशोधन करके पढ़ा जाये।

एल० एच० मीरचंदानी,  
स्थापना अधिकारी

**रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र**

कलपषकम, दिनांक 30 जुलाई 1974

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/18/71:15398:1025—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री यक्षस्वामी शास्त्रीगल माम्बमूर्ति ने, उनका भयन भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में प्रशासन अधिकारी II के पद पर होने पर उस केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार 4 जुलाई, 1974 के अपराह्न से छोड़ दिया।

के० चक्रवर्ती,  
मुख्य प्रशासन अधिकारी

**कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन**

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1974

सं० ए० 38012/2/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री बी० ए० एन० राजू, तकनीकी अधिकारी, नागर विमानन विभाग को मूल नियम 56(के) के उपबंधों के अधीन 23-2-74 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की है।

सुधाकर गुप्ता,  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1974

सं० ए० 33023/1/74 ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों (प्रणि-  
णार्थी) को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमानक्षेत्र संगठन में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक विमान-  
क्षेत्र अधिकारी, श्रेणी II, राजपलित के पद पर नियुक्त किया है:—

क्र० सं०	नाम	स्टेशन	तारीख
1	2	3	4
1.	श्री कमल पराशर	बम्बई एयर पोर्ट	4-7-74
2.	श्री अशोक राज बाल्मीक	कलकत्ता एयरपोर्ट	4-7-74
3.	श्री पीयूष जोशी	—वही—	4-7-74
4.	श्री आर० एन० चौधुरी	—वही—	4-7-74
5.	श्री पी० एन० तिवारी	—वही—	4-7-74
6.	श्री पहाड़ी मान्याल	—वही—	4-7-74
7.	श्री बी० के० केलवानी	—वही—	4-7-74
8.	श्री एम० एस० गोसाई	दिल्ली एयरपोर्ट पालम	4-7-74
9.	श्री पी० कुमार	—वही—	4-7-74
10.	श्री श्यामसुन्दर वर्मा	—वही—	4-7-74
11.	श्री राकेश वर्मा	—वही—	4-7-74
12.	श्री एस० पी० कोहाट	नागपुर	5-7-74
13.	श्री एल० पी० मेजेज	बम्बई एयरपोर्ट	26-7-74
14.	श्री एम० एस० साठे	—वही—	26-7-74
15.	श्री कमल कांत	—वही—	26-7-74
16.	श्री आर० आई० सिंह	—वही—	26-7-74
17.	मिहिर करमाकर	कलकत्ता एयरपोर्ट	25-7-74

1	2	3	4
18.	श्री विनय कपूर	सफवरजंग एयरपोर्ट	25-7-74
19.	कुमारी परमजीत सिद्धू	—वही—	25-7-74
20.	श्री जे० बी० आर० प्रभाकर राव	मद्रास एयरपोर्ट	26-7-74

दिनांक 5 अगस्त 1974

सं० ए० 32013/2/73-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित विमान क्षेत्र अधिकारियों को जो कि इस समय भारतीय अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर है, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है :—

क्रम सं०	नाम	तारीख
1.	श्री सी० जी० विश्वनाथ	4-11-73
2.	श्री जी० एन० लोकरे	4-11-73
3.	श्री के० एस० अयराम	21-2-74

दिनांक 8 अगस्त 1974

सं० ए०-38012/4/74-ई० ए०—श्री जे० नाथ, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम निवृत्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 31 जुलाई, 1974 पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सुरजीत लाल खण्डपुर,  
सहायक निदेशक प्रशासन

**पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय****भारत मौसम विज्ञान विभाग**

नई दिल्ली-3, दिनांक 31 मई 1974

सं० ई० (1) 06694—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना कार्यालय के श्री डी० एस० देसाई, व्यवसायिक सहायक को 15 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री देसाई, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, उपकरण, पूना के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

नूतन दास,  
मौसम विशेषज्ञ  
हस्ते वेधशालाओं के महानिदेशक

## केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समाहर्ता-कार्यालय, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 17 जून 1974

सं० 6/74—केन्द्रीय उत्पादनशुल्क के निम्नलिखित स्थाई निरीक्षकों (मेलेक्शन ग्रेड)/अधीक्षक (सी० टी०) को, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से अगला आदेश होने तक, र० 650-30-740-35-810-द० र०-35-880-40-1000-द० र०-40-1200 के समय-मान में केन्द्रीय उत्पादनशुल्क के स्थानापन्न अधीक्षक, श्रेणी-II, नियुक्त किया गया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	स्थान	अधीक्षक श्रेणी-II, का कार्यभार संभालने की तारीख
सर्वश्री			
1. श्री० बी० खानपुर		एम० ओ० आर० सदलगा	4-4-74 (अपराह्न)
2. श्री० दामोदर		सीमाशुल्क विशेष निवारक मंगलौर	3-4-74 (अपराह्न)
3. श्री० आर० गुण्डु राव		बंगलौर III प्रभाग	29-5-74 (पूर्वाह्न)
4. श्री० एच० डी० क्रुज		श्री० जी० भद्रावती	3-6-74 (पूर्वाह्न)
5. श्री० बी० धिमय्या		एम० ओ० आर० रवंदुर	6-6-74 (पूर्वाह्न)
6. श्री० जी० जीनसन		एम० ओ० आर० हरमनाहल्ली	8-6-74 (अपराह्न)

आर० बी० सिन्हा,  
समाहृत

## केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध)

नई दिल्ली-22, दिनांक अगस्त, 1974

सं० क०-19012/82/70-प्रशा०-5-1—इस आयोग की अधिसूचना सं०-क 32014/2/70-प्रशा०-5 दिनांक 13-9-1972 के आंशिक संशोधन करते हुए अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग अपने प्रसाद में यह निर्णय करते हैं कि केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के ग्रेड में श्री जे० जी० इदनाली को नियमित रूप में नियुक्ति 31-5-1972 के स्थान पर 15-11-1972 में है।

(के० पी० बी० सेन)

अवर सचिव

हुते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और वि० आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक अगस्त 1974

सं० 19012/452/73-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग श्री जे० पी० एन्थोनी को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में स्थानापन्न क्षमता में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। श्री जे० पी० एन्थोनी ने 10-8-73 (अपराह्न) से 26-9-73 तक चन्दा पूर्वी गेजिंग उप प्रमण्डल, चन्दा में सहायक अभियंता का कार्यभार संभाल लिया। निर्धारित योग्यता पूरी करने पर उन्हें 27-9-73 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के ग्रेड में र० 650-30-740-35-810-द० र०-35-880-40-1000-द० र०-40-1200 के वेतनमान में वेतन तथा भत्ताप्राप्त करने का अधिकार होगा।

2-226G/74

यह अधिसूचना इस आयोग की अधिसूचना सं० क-19012/425/73-प्रशा०-5 दिनांक 22-4-74 के अधिक्रमण में जारी की गई है।

सं० 19012/446/73-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद् द्वारा श्री श्रीकान्त बख्शी को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उन्हें अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के रूप में 15-7-1974 (अपराह्न) से आगे आदेश होने तक रूप 650-30-740-35-810-द० र०-35-880-40-1000-द० र०-40-1200 के वेतनमान में वेतन पाने का अधिकार होगा।

श्री श्रीकान्त बख्शी ने केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) में सहायक अभियंता के कार्यालय का कार्यभार उपरोक्त तिथि एवं समय से सम्भाल लिया है।

के० पी० बी० सेन,

अवर सचिव

## दक्षिण-पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० पी०/जी०/14/300 बी० (पार्ट II)—इस रेलवे के सिविल इंजीनियरी विभाग के अवर वेतनमान (श्रेणी I) वाले निम्नांकित अधिकारियों का पुष्टीकरण इस रेलवे के उक्त विभाग

के अवर वेतनमान (श्रेणी II) में, प्रत्येक के सामने उल्लिखित तारीख से किया जा रहा है :—

नाम	पुष्टीकरण की तारीख
श्री एम० सैयद मुलेमान	13 दिसम्बर, 1971
श्री एस० के० मिन्हा	31 दिसम्बर, 1973
श्री रजत मित्रा	2 जनवरी, 1974

सं० पी०/जी०/14/300 बी (II) — इस रेलवे के सिविल इंजीनियरी विभाग के स्थानापन्न अधिकारी (श्रेणी-II) श्री पी० एस० प्रसाद का पुष्टीकरण इस रेलवे के उक्त विभाग की श्रेणी-II सेवा में 20 अप्रैल, 1967 से किया जा रहा है।

जी० एस० ए० सलदान्हा,  
महाप्रबन्धक

### कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

तारीख

कम्पनी अधिनियम 1956, और "तिहमाल और कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
(कम्पनी अधिनियम, 56 की धारा 445)

सं० 2994/सी लिक्वी०/74—एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० सी० पी० नं० 890 एफ० 1972 में उच्च न्यायालय, मद्रास की फाइल पर दिए गए दिनांक 11 अप्रैल, 1972 के आदेश द्वारा कम्पनी तिहमाल और कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

पी० अन्नपूर्णा,  
कम्पनी के अपर रजिस्ट्रार

### कार्यालय अतिरिक्त आयकर आयुक्त, कानपुर

उन निर्धारितियों के नामों का प्रकाशन जिनके मामले में वर्ष 1973-74 के दौरान एक लाख से ऊपर राशि अपलिखित की गई

क्रमांक	निर्धारितों का नाम और पता	प्राप्ति	निर्धारण वर्ष	अपलिखित राशि	अपलेखन का संक्षिप्त कारण
1	2	3	4	5	6
1.	मैसर्स जफर मोहम्मद, द्वारा मैसर्स के० एम० रशीद एण्ड सन्स, मेरठ	व्यष्टि	1941-42 1942-43 1943-44 1944-45 1945-46 1946-47	15,568 24,028 1,09,909 1,58,014 1,78,026 6,51,398	निर्धारितों का 7-1-1946 को देहान्त हो गया और उसके पीछे कोई परि-संपत् शेष नहीं रह गई थी अतः 9,36,943 रु० का बकाया अप-लिखित कर दिया गया।
				9,36,943	
2.	श्री के० एस० रशीद अहमद, मेरठ	व्यष्टि	1941-42 1942-43 1943-44 1944-45 1945-46 1946-47  1962-63 1963-64 1964-65 1965-66 1966-67	15,429 23,915 1,09,807 1,57,604 1,78,959 3,83,995  6,244 1,804 1,682 267 294	अपने पीछे अपमति परिसंपत् छोड़ते हुए निर्धारितों पाकिस्तान चला गया और वहां वर्ष 1968 में उस का देहावसान हो गया अतः उसके खिलाफ कुल बकाया राशि में से 8,80,000 रु० की राशि अपलिखित की गई और विभाग की जानकारी में जो कुछ परिसंपत् है उसमें से किसी सम्भव भाग प्रत्यादान हेतु अवशेष को जीवित रखा गया।
				8,80,000	
3.	एस० कन्हैया सिंह, करतार एण्ड को० बुवहाना गेट, मेरठ	व्यष्टि	1960-61 1961-62 1962-63 1963-64	3,406 6,153 2,158 1,04,548	निर्धारितों कहां है, यह शायद नहीं। विभाग की जानकारी में जो परि-संपत् है, वह इतना काफी नहीं जिस से निर्धारितों के विरुद्ध कुछ

1	2	3	4	5	6
			1964-65	85,028	बकाया राशि में से 3,02,697 रु०
			1965-66	96,086	की राशि अपलिखित की गई और
			1966-67	5,316	विभाग की जानकारी में जो कुछ
				-----	परिसंपत् है उसमें से किसी सम्भव
				3,02,697	भावी प्रत्यादान के लिये अवशेष
				-----	राशि को जीवित रखा गया ।
4. श्री डी० पी० भटनागर,			1943-44	16,676	निर्धारिती 16-4-1959 को दिवालिघा
गोविन्द भवन, मेरठ			1944-45	2,41,835	घोषित किया गया और 17-4-62
			1945-46	6,227	को डिसचार्ज आदेश बनाया गया ।
				-----	कालान्तर में 4-11-64 को उसका
				2,64,738	देहान्त हो गया । विभाग की जान-
				-----	कारी में जो परिसंपत् है वह इतनी
					काफी नहीं जिस के अन्तर्गत निर्धा-
					रिती के विरुद्ध बकाया कुल धन
					राशी आ सके अतः उसके खिलाफ
					बाकी कुल राशि में से 2,64,738
					रु० की राशि अपलिखित की गई
					और विभाग की जानकारी में जो
					परिसंपत् है उसमें से किसी सम्भव
					भावी प्रत्यादान के लिये अवशेष
					राशि को जीवित रखा गया ।
5. मैसर्स हशमत उल्ला एण्ड को०	पंजीकृत फर्म,		1943-44	1,907	फर्म के विरुद्ध जो मोतालबात बाकी
मेरठ			1945-46	1,16,199	है, उन के प्रत्यादान की कोई
			1946-47	2,22,916	सम्भावना नहीं । साझेदारों की
			1947-48	71,666	परिसंपत्, जो कि जीवित और
				-----	उपलब्ध है इतनी काफी नहीं,
				4,12,688	जिस के अन्तर्गत, निर्धारिती के
				-----	विरुद्ध शेष कुल मोतालबात आ
					सके । अतः शेष कुल मोतालबात में
					से 4,12,688 रु० की राशि अप-
					लिखित की गई और विभाग की
					जानकारी में जो कुछ परिसंपत्
					है उसमें से किसी सम्भव भावी
					प्रत्यादान हेतु अवशेष को जीवित
					रखा गया ।
6. मैसर्स राम चरण विक्रमादित्य	व्यष्टि		13-4-43 को समाप्त होने वाली		भूक निर्धारिती की कोई परिसंपत्
नया गंज, कानपुर			प्रभार्य लेखन अवधि (सी०		नहीं है अतः मोतालबात के प्रत्यादान
			ए० पी०)		की कोई सम्भावना नहीं । इसी
				35,054	कारण 2,57,147 रुपये के मोताल-
			1-4-44 को समाप्त होने वाली		बात अपलिखित किये गये ।
			प्रभार्य लेखन अवधि (सी०		
			ए० पी०)		

1	2	3	4	5	6
				5,122	
			19-4-45 को समाप्त होने वाली प्रभाय अर्वाधि (सी० ए० पी०)		
				99,679	
			1945-46	74,551	
			1946-47	42,750	
				2,57,147	
7.	मैसर्स कैलाशनाथ अग्रवाल, बूड़ी ब्यण्टि मोहाल कानपुर ।		1957-58	2,984	निर्धारिती के बारे में कुछ पता नहीं
			1958-59	1,082	कि वह कहा है । विभाग की जानकारी में जो परिसंपत् है वह इतनी पर्याप्त नहीं जिसमें निर्धारिती के विरुद्ध कुल बकाया वसूल किया जा सके । अतः इस के खिलाफ कुल बकाया राशि में से 2,33,186 रु० की राशि अपलिखित की गई और विभाग की जानकारी में जो कुछ परिसंपत् है उसमें में किसी सम्भवभावी प्रत्यादान के लिये अवशेष राशि को जीवित रखा गया ।
			1959-60	1,00,490	
			1960-61	72,073	
			1961-62	16,280	
			1962-63	17,346	
			1963-64	22,931	
				2,33,186	
8.	श्री सावल दास, मालिक स्वाम आयाल मिल्म, आगरा ।	व्यण्टि	1960-61	15,390	यह कुछ ज्ञात नहीं कि वर्तमान समय निर्धारिती कहा है । इस के अनिश्चित उसके नाम किसी परिसंपत् का भी ज्ञान नहीं । इसलिये निर्धारिती के खिलाफ बकाया मोतालबात के प्रत्यादान की कोई सम्भावना नहीं । अतः 1,21,176 रु० का मोतालबात अपलिखित किया गया ।
			1961-62	83,094	
			1962-63	22,692	
				1,21,176	
9.	श्री धर्मदास, मालिक, दयाल आयाल मिल्म, आगरा ।	व्यण्टि	1966-67	1,46,530	निर्धारिती सापता है । साथ ही उस के नाम किसी परिसंपत् का भी ज्ञान नहीं । इसलिये निर्धारिती के खिलाफ बकाया मोतालबात के प्रत्यादान की कोई संभावना नहीं । इन्हीं कारणों से 1,46,530 रु० की प्रत्यादेय राशि अपलिखित की गई ।

**टिप्पणी:—**किसी व्यक्ति द्वारा देय कर को अपलिखित कर दिया गया है, इस कथन का अर्थ केवल यह है कि आय-कर विभाग कि दृष्टि में यह राशि प्रकाशन की तारीख तक निर्धारिती की ज्ञात परिसंपत्तियों में वसूल नहीं हो सकी इस के प्रकाशन का यह अर्थ कदापि नहीं कि यह राशि बानून के अनुसार प्रत्यादान के अयोग्य है अथवा निर्धारिती, सम्बन्धित राशि को अदा करने में अपने दायित्व में मुक्त हो गया ।

ए० सी० जैन,

सहायक आयुक्त आय-कर, कानपुर-2



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1973

सं० X/10/41/-73-74— यतः मुझे के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 92 है जो अम्मान सन्नति स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पुदुमण्डपम् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वी० जयलक्ष्मी,

(अन्तरक)

(2) श्री टी० नटराजन, नटराजा स्टोर्स।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डोर सं० अम्मान सन्नति स्ट्रीट मदुरै में स्थित 2090 स्क० की की भूमि और मकान।

के० वी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास

तारीख: 13-8-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 अगस्त 1974

सं० जे० न० 1/(1737)/73-74—यतः भू, के० सुब्बाराव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 30-8-20, ब्लॉक न० 41 बार्ड न० 22 है जो ग्रल्लीपुरम बार्ड विभाग में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विभाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राचीन 15-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. Smt. Chintakayala Syamalamba, W/o Chintakayala Satyanarayanarao, Dondaparti, Visakhapatnam.

2. Smt. Rukia Bi, W/o Sri Abdul Wahab, Old Automobile spare parts Rukia Manzil, 75, Road, Visakhapatnam.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Visakhapatnam District—Visakhapatnam Sub-Registration—Visakhapatnam Municipality—Allpuram Ward—Bharu Street—Dabagardens—Ward No. 22—Block No. 41—T. S. No. 1462—Municipal Asst. No. 24164—Door No. 30-8-20—230 Sq. Yds.

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 9-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग

शिलांग, दिनांक 13 अगस्त 1974

सं० ए० 57/74-75—यतः मुझे एन० पचुम्री आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डाग न० 1236 एन० के० पी० न० 1 है, जो गांव बेलकुचि मौजा, बेलटोला, गोहाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गोहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री देव मिफिर मन आफ अबत मिफिर

गांव बेलकुचि मौजा बेलटोला, गोहाटी।

(अन्तरक)

(2) श्री देव मुराना बाइफ आफ श्री मूरज मल मुराना

फेनसी बाजार गोहाटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन के माप 2 बीघा जो कि डाग न० 1236 एन० के० पी० न० 1 गांव बेल कुचि मौजा बेलटोला, जिला कामरूप आसाम प्रदेश में है।

एन० पचुम्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग

तारीख: 13-8-1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग

शिलांग दिनांक 13 अगस्त, 1974

सं०ए०-55/74-75—यतः मुझे एन० पचुओ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पेरि ओपिक पत्ता न० 112 डांग न० 672 है, जो मौजा बेलटोला गांव बोरसुज, गोहाटी में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-1973 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेन बोरो गांव बोरसुज, बेलटोला गोहाटी ।

(अन्तरक)

(2) श्री 1, श्री देवकीनन्दन केदिया कोर ग्राफ इन्डस्ट्रियल इक्विपमेंट ए० टी० रोड गोहाटी 2, श्री कमला प्रसाद अगवाला, जमुनामुख नौगाउ, 3, श्री प्रभु दयाल जनझन वाला पेलिम बाजार, शिलांग मेघालय ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जमीन के माप दो बीघा दो काता और 10 लेछा जो कि पेरि-ओदिक पत्ता न० 112 डांग न० 672 मौजा बेलटोला, गांव बोरसुज जिला कामरूप आसाम में पड़ी हुयी है ।

एन० पचुओ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग

तारीख : 13-8-1974

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जिलाग

जिलाग दिनांक 13 अगस्त, 1974

सं० ए० 58/गौ०/74-75—यतः मुझे एन० पंचुश्री  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है  
और जिनका सं० पत्ता न० 982 हाग न० 805 है जो गांव पाटकुचि  
मौजा बेलटोला में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और  
पूर्व रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गोहाटी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 15-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—226GI/74

(1) सुमन नाथ मिल पुत्ररि गोहाटी ।

(अन्तरक)

(2) 2 श्री प्रकाश चन्द्र पत्नी फेनिम गोहाटी 2. श्रीमती  
भाउरी देवी जैन, फेनिम बाजार गोहाटी ।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का माप 4 बीघा 16 लेखा जो कि पत्ता न० 182  
हाग न० 405 गांव पाटकुचि मौजा बेलटोला जिला कामरूप,  
आसाम में घेरि हुई है ।

एन० पंचुश्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जिलाग

तारीख . 12-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त, 1974

सं० अ०ई० 3/411/74-75—यतः मुझे आर० जी० नेहरू बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 37, मिटी सर्वे नं० 112 है, जो कांदीवली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार का कार्यालय बान्द्रा, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वी० डी० देसाई। रेनबो, गांती लाल मोदी रोड, कांदीवली, बम्बई-67 (अन्तरक)
2. श्री एच० अली, मोहम्मद एच० याकूब, 11/19, कांबेकर स्ट्रीट, पहली मंजिल, करीम मन्शन, खोली क्र० 3, बम्बई-3 (अन्तरिती)
3. मैसर्स मयूर थियेटर्स, के भागदार (1) इब्राहीम जुमाब (2) हवाई बाई मोहम्मद यूसुफ (3) मैमुना इस्माइल (4) उमिला प्रविन्धन (5) गुणवन्ती खलीतचन्द्र (6) क्षरीना ए० भाजीद (7) शेरबानु ए० कादार (8) शरीफा हाजी ए० गनी (9) अमृतलाल बर्धचन्द्र (10) हाजी अली मोहम्मद हाजी याकूब (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

वे सभी टुकड़े या पट्टे की भूमि का भाग या भूमि माप में नाटक-गृह और वहां पर बनी दूसरी संरचनाएं जो माप में 1303 वर्गगज समकक्ष 1089 वर्गमीटर, या आसपास जो कांदीवली रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर में स्थित है और मौजूद है और जिसका प्लॉट नं० 37 और सिटी सर्वे नं० 112 है और इस प्रकार घिरा हुआ है : अर्थात् :—

उत्तर की ओर से मिटी सर्वे नं० 111 द्वारा, दक्षिण की ओर से मिटी सर्वे नं० 262 द्वारा, पूर्व की ओर से मिटी सर्वे नं० 113 द्वारा और पश्चिम ओर से नेताजी सुभाष रोड, द्वारा।

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप में 638-53 वर्गगज समकक्ष 533-894 वर्ग मीटर या आसपास कांदीवली, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर में स्थित और मौजूद है और माप में 1234 वर्गगज समकक्ष 1031-784 वर्गमीटर या आसपास जमीन के हिस्से एक बहुत बड़ा भाग है और जिसका प्लॉट नं० 39 (अंश) और मिटी सर्वे नं० 262 (अंश) है और म्युनिमिपल भावों एवं करों के ससेप्टर और कलेक्टर द्वारा आर० बाई नं० 917(2) गली नं० 275 ए०ए० नेताजी सुभाष रोड द्वारा निर्धारित है और इस प्रकार घिरा हुआ है—उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 37 और मिटी सर्वे नं० 112 दक्षिण की ओर से अंशतः श्री विपिन देसाई की जायदाद द्वारा, पूर्व की ओर से अंशतः नेताजी सुभाष रोड और अंशतः श्री विपिन देसाई की जायदाद द्वारा और पश्चिम की ओर से सिटी सर्वे नं० 113 की जमीन द्वारा।

आर० जी० नेहरू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई।

तारीख : 6-8-19974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1974

सं० ए०सी०क्यू०/एक्यू०/11/फब०/(2)/74-75/2137—  
यतः मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दिया हुआ है जो गांव कैतेवारा दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित नदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री चुन्नी, पुत्र श्री अमर सिंह निवासी गांव कैतेवारा दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री रजिन्दर सिंह पुत्र श्री श्रीराम निवासी गांव मुंडुका दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उमकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जो कि 47 बीघा और 18 बिस्वा है और जो निम्नलिखित खण्डों से बनी हुयी है, गांव कैतेवारा में स्थित है :—

खसरा नं०	152	4-14
	144	4-16
	139	4-16
	135	4-11
	136	0-5
	580	4-16
	147	4-16
	143	4-16
	140	4-16
	142	4-16
	141	4-16

सी० वी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज दिल्ली

तारीख : 13 अगस्त, 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री मी० प्रेम कुमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री मोहम्मद हुसैन,

श्रीमती जहानारा

कुमारी रोमना

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1 मद्रास

मद्रास दिनांक 13 अगस्त, 1974

सं० IX/1/22/74-75—यतः मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/30 है, जो पांतिनयन रोड एगमोर मद्रास 8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार 1 मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीनकर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० एम० सं० 1624/B, डोर सं० 1/30, पांतिनयन रोड, एगमोर, मद्रास-8 में स्थित 6 ग्राउन्ड्स 2026 स्क० फी० की खाली भूमि।

के० वी० राजन

सक्षम प्राधिकारी

यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 13-8-74

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय अर्जन रेज I, मद्रास

दिनांक 13 अगस्त, 1974

निर्देश सं० 9/3/235/73-74—यत. मुबं, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/30 है, जो पानियन रोड, एम्मोर, मद्रास-8 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एम० आर०-II, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-1973

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वेदवल्ली (या)

मिसे० सी० प्रेम कुमार

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हमैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आर० एम० सं० 1621/बी (भाग) में डोर सं० 1/30, पानियन रोड, एम्मोर में स्थित 3 आउटड्रम की खाली भूमि ।

के० वी० राजन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

तारीख . 13-8-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० सी० आर०-IV/कल०/74-75—यतः, मुझे, जार्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पी-336 है, जो सि० आई० टि० रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसियो-रेन्सेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-73

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) ट्रान्सपोर्ट कारपोरेशन आफ इन्डिया (प्राइवेट) लि०,  
पी०-4, न्यू सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता  
(अन्तरक)

(2) श्री शामावतार सुनसुनवाला,  
पी-214, सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

पी-336, सी० आई० टी० रोड, स्कीम सं० IV-एम०, 6 कक्षा 6 छटांक 23 स्कवायर फीट जमीन उस पर बनाया और स्ट्राक चार्ज ।

जार्ज वर्गिस,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता,

54 रफी अहमद कदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 12-8-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जून, 1974

निर्देश सं० ए० सी०-81/आर०-IV/कल०/74-75—यतः, मुझे जार्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खतियान सं० 1292, 1293 दाग सं० 644 है, जो थाना, बरानगर, मौजा, बनहुगली में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, काशीपुर, दमदम, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मनिका मजुमदार,

9 मोतीखाल नेहरू रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) श्री विक्रमाजित राय चौधुरी,

156, बी० टी० रोड, कलकत्ता-35 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1 बीघा 4 कट्ठा जमीन, थाना, बरानगर, मौजा बनहुगली, खतियान 1292, 1293, दाग सं० 644, जिला 24-परगना (जैसा दलिल सं० 8703, केस सं० 6637 में वर्णित है)।

जार्ज वर्गिस

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 19-6-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज-IV, 54, रफी अहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 24 जून, 1974

निर्देश सं० ए० सी०-82/आ०-IV/कलकत्ता/74-75—  
यतः मुझे जर्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिगकी सं० 64/39 है, जो बेलगाछिया, रोड, कलकत्ता-37 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार आफ शियालदह, 24 परगना, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) (i) श्रीमती शैलवाला घोष  
(ii) श्री तपन कुमार घोष,  
289ड, दग्गा रोड, कलकत्ता-17

(अन्तरक)

- (2) श्री अनाथबन्धु चक्रवर्ती,  
64/44 वि०, बेलगाछिया कोड, कलकत्ता-37  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसा व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

8 कट्टा 2 छटांक 29 स्कूयेयर फिट खालि जमीन सं० 64/39, बेलगाछिया रोड, कलकत्ता-37, थाना उलगाङ्गा, होल्डी सं० 3/4 मौजा बेलगाछिया, सब डिवीजन-VII, डिवीजन-II, डिलिपन्वान्न ग्राम, जिला 24 परगना,।

जर्ज वर्गिस  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV,  
54, रफी अहमद क़िदवाई कोड, कलकत्ता-16

तारीख : 24-6-74

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 जून 1974

निर्देश सं० जे-17/73(24)33/129—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रातानाडारोड जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 दिसम्बर 21 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

4-226 GI-4

(1) श्री भूपत सिंह पुत्र भोमसिंह राजपूत, हाईकोर्ट कालोनी जोधपुर (अन्तरक)

(2) श्री आनन्द प्रकाश पुत्र श्री शिववक्ष गेहलोत, बारामण्डा-वता, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मुख्य रातानाडा रोड, जोधपुर पर स्थित जमीन का टुकड़ा, जिस का क्षेत्रफल 2265.39 जोधपुरी वर्गगज ।

वी० पी० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख 24-6-1974

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 जून 1974

निर्देश सं० जे-17/73(24)19/126—यत्, मुझे, वी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 दिसम्बर 21 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत्, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भूपतसिंह पुत्र भीमसिंह राजपूत, हाईकोर्ट कालोनी, जोधपुर। (अन्तरक)

(2) सर्वश्री मेहराम पुत्र सावतगम 2 गोर्धनगम पुत्र लच्छागम विष्णोई फिटकमानी, तै० जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट, जो शिवगोड, रातानाडा मैन रोड के पास, जोधपुर, कुल क्षेत्र 2283.41 जोधपुरी वर्गगज।

वी० पी० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 24-6-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 जून 1974

निर्देश सं० जे-17/73 (24) 17/128—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो शिवरोड, जोधपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 दिसम्बर 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से धम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से दायित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री भूपतसिंह पुत्र भौमसिंह, हाईकोर्ट कालोनी, जोधपुर।  
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री हरीराम, चोगाराम, बैबरराम विशनोई,  
गुडाविशनडीयां तह० जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रातानाड़ा में शिवरोड, जोधपुर में खुला प्लॉट, कुल क्षेत्रफल 2295.69 जोधपुरी वर्गगज।

वी० पी० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जयपुर।

तारीख 24-6-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 24-6-1974

निर्देश सं० जे-17/73(24)18/127—यत, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की स० प्लॉट है, जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 दिसम्बर 1973 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग, के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) भूपत सिंह पुत्र श्री भौमसिंह राजपूत, हाईकोर्ट कालोनी जोधपुर (अन्तरक)

(2) हरलाल पुत्र श्री अर्जनगम विश्नोई, पिटकासना तहसील जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तां:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुला प्लॉट नम्बर-बी, स्थित शिवरोड, रातनाडा, जोधपुर में है, कुल क्षेत्रफल 2277 57 जोधपुरी वर्गगज

वी० पी० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जयपुर।

तारीख 24-6-1974

मोहर



प्ररूप आई टी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 जून 1974

निर्देश सं. जे-3/73(23)12/18—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं० 156 है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 दिसम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बाबूलाल जैन पुत्र श्री मूल शाह जैन नि० आदर्शनगर, प्लॉट नं० 222 जयपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमदेवी पत्नि श्री मेवाराम जी चित्तोडिया, आदर्शनगर जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी न्यवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 156, पतेहटीबा, आदर्शनगर, जयपुर, कुल क्षेत्र 90 फिट × 50 फिट०।

वी० पी० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 25 जून 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28-6-1974

निर्देश सं० एम-28/73(23)1/103—यतः, मूजे, बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की सं० मकान है, जो कस्बा छापर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुजानगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जीवनमल पुत्र स्व० रूपचन्द श्रोसवाल नाहटा साकिन छापर तह० सुजानगढ़ जिला चूरू (अन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. विजयसिंह, 2. चम्पालाल पुत्रान श्री पुनम चन्द, जाती श्रोमवाल दूगड, सा० छापर, तहसील सुजानगढ़, जिला चूरू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कस्बा छापर मोहल्ला नाहटावास में स्थित 'अतिथिगृह' नामक मकान, कुल क्षेत्रफल 590 वर्गगज ।

बी० पी० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 28-6-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, तारीख 28-6-1974

निर्देश सं० जे-17/73(23) 16/122—यतः, मुझे, बी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 421 है, जो सी० रोड, जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती इडुबा डेविम पति श्री सैम्बल, 421 '1' सी रोड सरदारपुरा, जोधपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी पति श्री हंसस्वरूप गुप्ता, 59 जमवंतभवन, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 421, फर्स्ट सी रोड, सरदारपुरा, जोधपुर, कुल प्लॉट का क्षेत्रफल 3078 वर्गफीट, तहखाने का निर्मित क्षेत्र 215 वर्गफीट, एवं ग्राउन्ड फ्लोर का निर्मित क्षेत्र 1075 वर्गफीट।

बी० पी० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

तारीख 28-6-1974

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 17 जून 1974

निर्देश सं० यू-2/73(23) 8/9—यतः, मुझे, बी० पी०  
मिसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की सं० जमीन का खला प्लाट है, जो उदयपुर में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
13 दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

- (1) श्री केसर सिंह पुत्र श्री लक्ष्मणसिंह झाडा, निवासी  
सहेलियों की बाडी के सामने, उदयपुर (अन्तरक)
- (2) मेमर्मे—आनन्दकुमार एण्ड कम्पनी, उदयपुर (अन्तरिती)
- (3) केसर सिंह जी पुत्र श्री लक्ष्मणसिंह झाडा, उदयपुर  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सहेलियों की बाडी के सामने उदयपुर स्थित जमीन का प्लाट  
न० 6 ए/प्लाट का क्षेत्रफल 150 फीट × 75 फीट है।

बी० पी० मिसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

तारीख 17-6-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जून 1974

निर्देश सं० ग० सि० 80/आर-IV/कल०/74-75—यतः  
मुझे जर्ज बर्गिस आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी खतियान सं० 1292, 1293 दाग सं० 644  
है, जो थाना बरानगर, मौजा बनहुगली में स्थित है और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, काशीपुर दमदम में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
22-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
खिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों;  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

5—226GI/74

1 श्रीमती मनिका मजुमदार, 9 मोतिलाल नेहरू रोड, कलकत्ता  
(अन्तरक)

2 श्री विक्रमजित रायचौधरी, 156 बि० टि० रोड, कलकत्ता-35  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1 बिधा 4 कट्ठा जमीन, थाना बरानगर, मौजा बनहुगली  
खतियान 1292, 1293 दाग-644 जिला 24 परगणा (जैमा  
दलिल सं० 8702 केस सं० 6636 में वर्णित है।)

जर्ज बर्गिस,  
सक्षम प्राधिकारी,  
तारीख: 19-6-1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर : अर्जन रेंज IV कलकत्ता,

24 रफि अहमद किववाई रोड, कलकत्ता

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

शिलांग, तारीख अप्रैल 1974

निर्देश सं० ए०-26/ति० एस० के०/ए० आर०/73-74/—

यतः, मुझे, एन० पाचुओ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डांग सं० 2018, पि० पि० सं० 114 ग्रंथ की अन्तर्गत है, जो तिनसुकिया टाउन, मौसा-तिनसुकिया, आसाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, तिनसुकिया में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1 दिसम्बर 1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स तिनसुकिया डेवलपमेंट कांफ़रिशन लिमिटेड, तिनसुकिया (अन्तरक)

(2) मेसर्स डोयर्स ट्रान्सपोर्ट, तिनसुकिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वि०-3 का०-7.4 लि० परिमाण कि जमीन डांग सं० 2018, पि० पि० सं० 114 कि अन्तर्गत और तिनसुकिया टाउन, मौसा तिनसुकिया, आसाम प्रदेश में है।

एन० पाचुओ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज शिलांग

तारीख -4-1974  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अप्रैल 1974

निर्देश सं० बी-28/73 (24) 1/65—यतः, मुझे, वी० पी० मितल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० इमारत है, जो बीकानेर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीकानेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीदास पुत्र श्री नारायणदास डागा बजरिये मछ्तारे खास श्री हरिदास पुत्र श्री नारायण दास, बीकानेर (अन्तरक)

(2) महेश जनकल्याण ट्रस्ट, डागा मोहल्ला, बीकानेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

डागा मोहल्ला बीकानेर स्थित तीन मंजिला इमारत (कोटडी) का चौथा हिस्सा

वी० पी० मितल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर,

तारीख : 22 अप्रैल 1974  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 22 अप्रैल 1974

निर्देश सं० बी-28/73(24) 3/67—यतः, मुझे, बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० इमारत है, जो बीकानेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीकानेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, एवं, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हरिदास पुत्र श्री नारायणदास डागा, बीकानेर (अन्तरक)

(2) श्री महेश जनकल्याण ट्रस्ट, डागा मोहल्ला, बीकानेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डागा मोहल्ला बीकानेर स्थित तीन मंजिला इमारत (कोटड़ी) का चौथा हिस्सा

बी० पी० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-4-1974

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 22 अप्रैल 1974

निर्देश सं० बी-28/73(24)2/66—यनः, मुझे बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० इमारत है, जो बीकानेर में स्थित (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांसी के कार्यालय, बीकानेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 दिसम्बर 20 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगमोहन पुत्र श्री नारायणदास डागा, बजरिए मुख्या-  
रेखास श्री हरीदास पुत्र श्री नारायणदास बीकानेर  
(अन्तरक)

2. श्री महेश जनकल्याण ट्रस्ट, डागा मोहल्ला बीकानेर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डागा मोहल्ला बीकानेर स्थित तीन मंजिला इमारत (काटडी)  
का चौथा हिस्सा।

बी० पी० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-4-74  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी महायुक्त आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक, 22 अप्रैल, 1974

निर्देश सं० बी-28/73 (24) 4/68—यन०, मुझे, बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० इमारत है, जो बीकानेर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीकानेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 दिसम्बर 20 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गंगादास पुत्र श्री नारायणदास डागा, बजरिए मुख-  
त्यारेखास श्री हरिदास पुत्र श्री नारायणदास बीकानेर  
(अन्तरक)

2. श्री महेश जन-कल्याण ट्रस्ट, डागा मोहल्ला, बीकानेर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डागा मोहल्ला बीकानेर स्थित तीन मंजिला इमारत (कोटड़ी)  
का चौथा हिस्सा ।

बी० पी० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-4-74  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर का कार्यालय

कानपुर दिनांक, 26 अप्रैल, 1974

निर्देश सं० अर्जन/58/कानपुर/3406/73-74/289—यतः, मुझे सी० एस० पाण्डेय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसको सं० 32/86 है जो मनीराम बगिपा कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6/12/73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री लाला गधेलाल अग्रवाल, 32/86, बगिपा मनीराम, कानपुर। (अन्तरक)

1. श्री विनोद कुमार अग्रवाल और अशोक कुमार अग्रवाल 77/150, स्वरूप नगर कानपुर, (अन्तरिती)

3 श्री परमानन्द, 32/86, बगिपा मनीराम कानपुर (यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान न० 32/86 का 1/2 भाग स्थित मनीराम बगिपा कानपुर।

सी० एम० पाण्डेय,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 26-4-74  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 26 अप्रैल 74

निर्देश सं० अर्जन/66/कानपुर/3728/73-74/290— यतः मुझे, सी० एस० पाण्डेय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 88/114 है जो प्रेमनगर शिवसहाय रोड कानपुर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 268-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री विशम्भर नाथ पाण्डेय पुत्र श्री शिव रक्षक पाण्डेय ।
2. श्री कैलाशनाथ पाण्डेय पुत्र श्री शिव रक्षक पाण्डेय
3. श्री विश्वनाथ पाण्डेय पुत्र श्री शिव रक्षक पाण्डेय
4. श्री गरीश नाथ पाण्डेय ।
5. श्री सोम नाथ पाण्डेय ।
6. श्रीमती उमाशंकर पुत्री श्री शिव रक्षक पाण्डेय ।
7. क० कृष्णा पाण्डेय पुत्री श्री शिव रक्षक पाण्डेय ।
8. श्रीमती पुष्पारानी अवस्थी पुत्री श्री शिव रक्षक पाण्डेय ।
9. श्रीमती सत्य मिश्रा पुत्री श्री शिव रक्षक पाण्डेय
10. श्रीमती कमला पाण्डेय विधवा शिव रक्षक पाण्डेय । निवासी:—सभी 88/114, प्रेमनगर शिव सहाय रोड, कानपुर । (अन्तरक)

(2) श्रीमती पदमकुमारी पत्नी सीताराम गुप्ता, 74/101, धनकुट्टी कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति नं० 88/114, प्रेमनगर, शिवसहाय रोड, कानपुर

सी० एस० पाण्डेय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख 26-4-74

मोहर:

अर्जन रेंज, कानपुर

प्रस्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1974

निर्देश सं० 55/अर्जन/कानपुर/73-74/139—यतः, मुझे वाई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 4-बी है जो सर्वोदय नगर कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 दिसम्बर 1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6--226GI/74

1. अनूप सिंह पुत्र श्री कृष्ण सिंह नि० 5 गुलिस्ता।  
कालोनी लखनऊ (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदर्शन कौर पत्नी गुम्बरन सिंह 4 बी, सर्वोदय नगर, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उमकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 4-बी माप 1071 वर्गगज स्थित सर्वोदय नगर, कानपुर, विक्रय मूल्य 46000/- रुपया।

वाई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 15-4-1974 ,

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, तारीख 22 अप्रैल 1974

निर्देश सं० अर्जन/76/4034/73-74/1867—यतः मुझे, आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० 15/89 डी है जो सिविल लाइन्स कानपुर-1 में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाहिने में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती शिवदेवी श्रीवास्तव विधवा श्री बैजनाथ श्रीवास्तव, नि० 13/306 परमट कानपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्राशुक्ला पत्नी श्री कृष्ण चन्द्र शुक्ला, ग्राम खमैला तह० डेरापुर, जि० कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15/89 डी, सिविल लाइन्स, कानपुर

आई० खोखर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-4-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, तारीख 6 फरवरी 1974

निर्देश सं० III-80/अर्जन/73-74/1553—यतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पदाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिन की मं० नं० 805 खाता नं० 125, प्लॉट-1077 है (जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) विजय कुमार और श्री अजय कुमार, बल्द-प्रोफेसर श्री वैद्यनाथ नई, डाक-बंगला रोड, थाना—कोतवाली पटना (अन्तरक)

(2) श्रीमती अजीत सिंह द्वारा श्री राम अवतार सिंह नई गरिया, जक्कनपुर, थाना—कोतवाली, पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान रकबा, 6 कट्ठा बोरिंग कनाल रोड, पटना, तीजी नं० 805, खाता—125, प्लॉट नं० 1077 ।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 6-2-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 फरवरी 1974

निर्देश सं० पी आर 80 एफ्यू० 23-123/14-6/73-74—  
यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है। और जिस की सं० सर्वे नं० 1995/41 है, जो महसूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महसूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) तेजाजी पुंजाजी डाकोर माल गोदाम महसूना  
(2) जडीबेन मोहनलाल, मोहन लाल बबलदाम पंचाल की विधवा मीछा ता० महसूना (अन्तरक)
2. उदयनगर को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी की तरफ से प्रमुख कनैया लाल चिट्ठलदास सथपारा C/o नवीन चन्द्र रावल उंचों भाटपांडो महसूना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

खुल्ली जमीन जिसका सर्वे नं० 1995/41 और माप 4791-10 चो० बार है जो एस० टी० रोड महसूना में स्थित है।

पी० एन० मित्तल,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 21-2-1974

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 1 मई 1974

निर्देश सं० 95/ए सी क्यू० 23-117/7-4/73-74—  
यन मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मु० घ० न० 743/अ स 743/अ-1 मु० बार्ड न० 6 है, जो आशा नगर, नवसारी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शान्ताबेन—धीरूभाई खंडुभाई देसाई की पत्नी (अन्तरक)

(2) श्री दिनेशचन्द्र चिमनलाल मेहता, आशा नगर, नवसारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

आशा नगर मु० बार्ड न०-6 नवसारी, जिला बलसार में स्थित जमीन और मकान—मु० घर न० 743/अ से 743/अ-1 जिसका कुल माप 6348 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1171, दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवसारी में लिखा है ।

पी० एन० मित्तल

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1-5-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 10 जून 1974

निर्देश सं० 101/ए सी व्यू० 23-92/19-8/73-74—  
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोंध नं० 2447 वाई नं० 7 है, जो सैयदपुरा चोकी स्ट्रीट, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमणलाल मोती भाई पटेल (अन्तरक)

(2) श्री भोगी कान्जीभाई मिस्त्री (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

चोकी स्ट्रीट सैयदपुरा सूरत में स्थित वाई नं० 7 नोंध नं० 2447 जमीन और मकान जिसका कुल माप 136 वर्ग गज मकान का निर्माण—ग्रा० फ्लोर 136 वर्ग गज, 1 ना, 2रा, 3रा हर फ्लोर 640 वर्ग फुट और 4था फ्लोर पर 480 वर्ग फुट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 4331 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद तारीख 10 जून 1974

निर्देश नं० 102/ग सी क्यू 23-96/19-8/73-74—  
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० बार्ड नं० 1 नोन्ड नं० 496 पैकी है, जो नानपुरा, मेन रोड, सूरत में स्थित है (और हमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सालेह नोमानभाई स्वयं और खदीजाबु नोमान भाई, खैयुम नोमान भाई दाउदी नोमान भाई की ओर से ताहेर मोहम्मद भाई स्वयं और खदीजा मोहम्मद भाई, दाउदी मोहम्मद भाई की ओर से दाउदी इमुफअली स्वयं और मरियाम तैयबजी हातिम इमुफ अली खदीजा इब्राहीम अब्दुल कैयुम, अतिका अलिभाई मलबारी, सुफिया इमूफी खेरुल्ला, फतेमा तरब मोनीवाला और म्बैया इस्माईल सालेहभाई (अन्तरक)

(2) मै० जयश्री लेण्ड डेवलपमेंट मिन्डिकेट के सहितारी—मनीषचन्द्र जमनादाम शाह—चन्द्रकान्त देवजी भाई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

नानपुरा मेन रोड सूरत में स्थित सम्पत्ति बार्ड नं० 1 नोन्ड नं० 496 पैकी कुलमाप 539 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4871 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 10-6-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-II ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, तारीख 10 जून 1974

निर्देश सं० पी० आर० 103/ए सी क्यू० 23-133/19-8/73-74—यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिस की सं० रे० सं० नं० 13/2 और 14, वाई नं० 13 नोंध नं० 3 और 2, प्लाट नं० 4, 5, 6 और 7 है, जो दिवाली बाग अथवा लाइन्स सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- (1) सर्वश्री माणिकलाल भगवानदास रेशमवाला  
शान्तबेन माणिकलाल रेशमवाला  
विनोद चन्द्र साकरलाल कार्पाडिया  
शुष्माबेन विनोदचन्द्र कार्पाडिया  
मटुलाल रणछोड दाम धडावा  
जयवदन रमणिकलाल  
वीरेन्द्र रमणिकलाल  
नरेन्द्रकुमार बालुभाई पन्चीगर (अन्तरक)  
(2) प्रिन्सिपल ऑफीसर स्वाश्रय ब्रेनिफिट प्रा० लि०,  
सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिवाली बाग, अथवा लाइन्स, सूरत में स्थित जमीन रे० सर्वे नं० 13/2 और 14, वाई नं० 13 नोंध नं० 3 और 2—कुल 2306-1-2 वर्ग गज में से सब प्लाट नं० 4, 5, 6 और 7, हर एक प्लाट का माप 330 वर्ग गज और कुल माप 1320 वर्ग गज है जमीन पर नींव का निर्माण जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4413, 4415, 4416 और 4414 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 10-6-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 12 जून 1974

निर्देश सं० 104/ए०सी०क्यू० 23-112/198/73-74—

यतः, मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नीध नं० 717 है, जो भाटिया मोहल्लो (बन्दर मोहल्लो) सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 29 दिसम्बर 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—226G1/74

(1) श्रीमती सबीताबेन मदन लाल (अन्तरक)

(2) इन्दनील डिपार्टमेंट को० हा० मोसाईटी सूरत की ओर से—

चेयरमेन—महेशचन्द्र छबिलदास मेहता मेन्ट्रेटरी—नितिन ननिव कांत रुवाला कमेटी, मेंबर—गोपाल रावजीगव शिन्दे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भाटिया मोहल्ला (बन्दर मोहल्ला) नानपुरा, सूरत में स्थित खुली जमीन वार्ड नं० 1, नीध नं० 717 जिसका कुल माप 167 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्री कृत विवेक नं० 4802 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 12 जून 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 12 जून 1974

निदेश सं० 105/ए०सी०क्यू०-23-113/197/73-74--  
यतः, मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नॉथ नं० 718 है, जो भाटिया मोहल्लो (बन्दर मोहल्ला) सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती फुलमणीबेन बलवंतराम (अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रनिल एपार्टमेंट को० हा० सोसाइटी (अन्तरिती) सूरत की ओर से—  
चेयरमैन—महेण चन्द्र, छविलदास मेहता सेक्रेटरी—  
नितिन नलिन कांत सवाला कमेटी मेंबर—गोपाल रावजीराव सिन्दे।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भाटिया मोहल्ला (बन्दर मोहल्ला), नानपुरा सूरत में स्थित खुली जमीन वार्ड नं० 1 नॉथ नं० 1/718 जिसका कुल भाप 139 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4801 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख 12-6-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12-6-1974

निदेश नं० 106/ए०सी०क्यू०-23/180/19-8/73-74-यतः, मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961, 1961 का 43 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 1 नोन्ध नं० 715 और 716 है, जो भाटिया मोहल्ला (बन्दर मोहल्ला) सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मदनलाल बलवन्तराम बखारिया (अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रनिल एपार्टमेंट को० हा० सोसाइटी (अन्तरिती)  
सूरत की ओर से  
चेयरमेन—महेश चन्द्र हबिलदास मेहता  
सेक्रेटरी—नितिन नलिन कान्त खाला  
कमेटी मेम्बर—गोपाल रावजीराव शिन्दे

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाटिया मोहल्ला (बन्दर मोहल्ला), नानपुरा सूरत में स्थित खुली जमीन वार्ड नं० 1 नोन्ध नं० 1/715 और 1/716 जिनका माप क्रमशः 134 वर्ग गज और 156 वर्ग गज है और कुल माप 290 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4803 और 4804 दिसम्बर 1973 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

दिनांक : 12 जून, 1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24-6-1974

निदेश सं० 108/ए०सी०क्यू० 23/181/19-7/73-74-  
यतः, मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मु० वार्ड नं० 1, नॉथ नं० 1333 और 1334  
पैकी प्लोट नं० 2 है, जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-1973 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
जससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री जीवनलाल नेभूमल गोपी चन्द नेभूमल (अन्तरक)
- (2) श्री कमला बेन गोविन्दराम जयश्रीबेन नारायण दास  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,  
तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मुनि वार्ड नं० 1 नॉथ नं० 1333 और 1334 पैकी प्लोट  
नं० 2 खुली जमीन जो नानपुरा (मजुरा गेट जाने वाले रास्ते पर)  
सूरत में स्थित है जिसका माप 600 वर्ग गज है जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4668 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत  
अधिकारी सूरत में लिखा है :

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 24 जून 1974

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज—II

अहमदाबाद, दिनांक 24-6-1974

निर्देश स० III/ए०सी०क्यू० 23-93/19-8/73-74-यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी स० मुनि० वार्ड नं० 7 नोड नं० 4104 है, जो उनापाणि रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री होंगमशा फारमरोश दाखवाला (अन्तरक)  
दिल्ली गेट, उनापाणि रोड, सूरत।

(2) श्री चंदुलाल जीवाभाई पटेल (अन्तरिती)  
हंस मोसाइटी, वरांछारोड, सूरत।

(3) श्री प्रवीन इच्छाराम गांधी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्तों पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनि० वार्ड नं० 7 नोड नं० 4104 पर उनापाणि रोड सूरत में स्थित सम्पत्ति—जमीन तथा पुराना मकान, जिसका माप 134 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4217 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, -II, अहमदाबाद

तारीख : 24-6-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज —II

अहमदाबाद, दिनांक 24-6-1974

निर्देश सं० 107/ए०सी०क्यू०-23-98/19-8/73-74-  
यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिनकी सं० म्यु० वार्ड नं० 10, नोंध नं० 1489 है, जो  
मोतीपोल, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 29-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्यसे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री कुसुम चन्द बाबुसोई सरकार  
प्रवीन चन्द्र बाबुभाई सरकार (अन्तरक)
- (2) श्री गोरी छाया एपार्टमेंट्स को० हा० सोसाइटी

सूरत की और से उस की—

1. चेयरमेन—राजेश बाबुभाई दामनिया
2. सेक्रेटरी—विजयकुमार केशवलाल शाह
3. मेंबर—सुभाष कांती लाल चोकसी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोटीपोल गोपीपुरा सूरत में स्थित जमीन मुनि० नं० 10 नोंध  
नं० 1489 ग्रीड नं० 58, जिसका माप 159 वर्ग गज है जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4894 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत  
अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -II अहमदाबाद

तारीख : 24 जून 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 27 जून, 1974

निदेश सं० 112/ए० सी० ब्यू० 23/183/19-8/73-74—  
यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 63/1 प्लोट नं० 36 से 42 और 43 से 50 तक है जो उमरा चौरासी, सूरत में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 26-12-1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी में स्वस्तिक हाउसिंग कोर्पोरेशन सूरत की ओर से सहीयारी  
छोटु भाई नरोत्तमभाई पटेल, गगन भाई अम्था भाई, करमन भाई अम्थाभाई, नथुभाई गणेश भाई, वनमाली भाई, भिका भाई, सविताबेन, जगाभाई, पटेल, भुली बेन, जगाभाई परसोत्तमभाई की विधवा (अन्तरक)

- (2) श्री/श्रीमती/कुमारी किरणदीप को-ओपरेटिव हा० सोसाइटी सूरत की ओर से  
प्रमुख—शान्ताबेन जयन्तीलाल दामकिया  
मेंत्री—डा० नाथुभाई छगनलाल भंडारी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

उमरा, चौरासी जिला सूरत में स्थित जमीन सर्वे नं० 63/1 12.20 एकड़ पैकी प्लेट नं० 36 से 42 जिसका माप 1239.52 वर्ग गज और प्लोट नं० 43 से 50 तक जिसका माप 1784.87 वर्ग गज, कुलमाप 3024 वर्ग गज है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4620 और नं० 4619 दिसम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में लिखा है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II अहमदाबाद

तारीख : 27-6-1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन-रेंज-1

अहमदाबाद दिनांक 17 जून 1974

निवेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-84/1-1/74-74—यतः

मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 380/1 सब प्लॉट नं० 5 और 6, एफ० पी० नं० 93, टी० पी० एस० नं० 10 है जो रखियाल, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राचीन 27-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैसर्स पनामा टैक्सटाइल मिल्स के भागीदार 1. श्री प्रबोध चन्द्र पाना चंद शाह 2. श्री कमलेश कुमार पानाचंद शाह 3. श्री कीरीर कुमार पानाचंद शाह 4. श्री जनक कुमार प्रबोध चंद्र शाह 5. श्रीमति शांताबेन तानाचंद शाह

फैक्टरी का नाम:—नागरबेल हनुमान जलाराम एस्टेट के सामने रखियाल अहमदाबाद-23।

आफिस का पता:—183 न्यू क्लाय मारकेट  
अहमदाबाद 2 (अन्तरक)

(2) मैसर्स ग्रस्पीएफ टैक्सटाइल मिल्स 5, पंचायत भवन  
भद्र अहमदाबाद। (अन्तरिती)

अधिभागे में सम्पत्ति है)

(4) गुजरात स्टेट फार्मिनाल कारपोरेशन  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

उस तमाम स्वतंत्र-मालिक जमीन के भाग तथा खण्ड जो  
रखियाल में स्थित है और मौजा रखियाल सिटी तालुका रजिस्ट्रेशन  
डिस्ट्रिक्ट व उप डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद के सर्वे नं० 380/1 के सब  
प्लॉट नं० 5 और 6 हैं और जो टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 10 का फायनल  
प्लॉट नं० 93 है और जिसका क्षेत्रफल क्रमशः लगभग 1803 तथा  
1850 वर्गगज है जिसके साथ सबूक का 326.2/3 वर्गगज अविभक्त  
भाग है और जो मकानियत के साथ है और जिसका सब प्लॉट नं०  
4 सर्वे नं० 380/1 गांव रखियाल टी० पी० स्कीम नं० 10  
फायनल प्लॉट नं० 93) पर भी मकानियत है और जिसके साथ  
ब्लाइलर चिमनी बोरिंग्स इलेक्ट्रिक फिटिंग है, और जिसकी सीमाएं  
निम्नलिखित हैं—

	सबप्लॉट नं० 5	सब प्लॉट नं० 6
पूर्व	प्लॉट नं० 4	प्लॉट नं० 4
पश्चिम	प्लॉट नं० 6	टी० पी० स्कीम का रास्ता
उत्तर	20 फुट का रास्ता	20 फुट का रास्ता
दक्षिण	फायनल प्लॉट नं० 92	फायनल प्लॉट नं० 92

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 16-7-74  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद का कार्यालय

अहमदाबाद दिनांक 1 जून 1974

निर्देश सं० ए०सी०क्यू०/23-I-170/16-1/74-75—यतः, मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 244 का हिस्सा है, जो पावर हाउस के निकट धोराजी जिला राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धोराजी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-12-1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभि-निहित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—226GI/74

(1) श्री पटेल वीरा करमशी खालावड प्लाट धोराजी जिला राजकोट । (अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल गोकुल दाम पटेल मैमर्स पाटीदार आइल केक इन्डस्ट्रीज के भागीदार भाकुभाजी परा धोराजी जिला राजकोट ।

(अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 11616 वर्गगज है और जिसका सर्वे न० 244 (भाग) है जो पावर हाउस के निकट धोराजी जिला राजकोट में है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व :—सर्वे न० 244 का हिस्सा ।

पश्चिम :—गर्वनमेंट वेस्ट लेन्ड

उत्तर :—जामभाई लाधाभाई का प्लाट

दक्षिण :—जीवा देणवी की जमीन

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख : 1-6-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1974

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-87/16-6/73-74—यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 189, प्लॉट नं० 11 और 12 है, जो राजमोती इन्डस्ट्रीज के निकट, भावनगर रोड, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-12-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसार में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैसर्स मोरझरीया ब्रदर्स के भागीदार : (1) श्री कुरजी खेराज मोरझरीया, 8, मीलपरा, राजकोट।  
(2) श्री दीलीपकुमार एम्बरजभाई मोरझरीया दुर्लभ मेन्शन, करनसीहंजीरोड, राजकोट। (अन्तरक)
- (2) टीम्को प्राइवेट लिमिटेड, राजमोती इन्डस्ट्रीज के निकट, भावनगर रोड, राजकोट। मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अनिल कुमार नरहरीदास पटेल डायरेक्टर श्री कृष्णकान्त चुनीलाल पटेल।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति (वांछकाम सहित) जिसका क्षेत्रफल 2197 वर्ग गज है और जिसकी सर्वे नं० 189, प्लॉट नं० 11 और 12 है, और जो राजमोती इन्डस्ट्रीज के निकट भावनगर रोड राजकोट में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :

पूर्व : सर्वे नं० 189 की जमीन  
पश्चिम : 40 फुट का रास्ता  
उत्तर : 40 फुट का रास्ता  
दक्षिण : 40 फुट का रास्ता

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 1-6-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1974

निर्देश सं० 860/73-74—यतः मुझे, ए० रागवेंद्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 140, कलाक्षेत्र कालोनी, तिरुवाण्मियूर पन्चायत, मद्रास है, जो.....में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-73

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269- ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डाक्टर एन० सिवरवामु, उपासिका काट्टेज, मद्रास-20 (अन्तरक)

(2) एन० वेन्कटसुन्दरमनियन, सं० 3, प्रित्वि श्रवन्पू, मद्रास-18।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास, तिरुवाण्मियूर पन्चायत कलाक्षेत्र कालोनी डोर सं० 140 में 8.65 ग्राउण्ड का भूमि (मकान के साथ)

ए० रागवेंद्र राव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 30-5-74  
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज-II, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 30 मई 1974

निर्देश सं० 863/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 14, श्रीनगर कालोनी, मैदापेट मद्रास-15 है,  
जो . . . . . में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैदापेट  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16  
के अधीन 13-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मुस्ताफ़ अहमद, 11/1 प्रकाश मुदलि स्ट्रीट,  
मद्रास-17 (अन्तरक)  
(2) श्री सी० एम० सिवानन्दन सं० 14, श्रीनगर कालोनी  
मद्रास-15। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

मद्रास-15, मैदापेट, श्रीनगर कालोनी डोर सं० 14 में 3.85  
घ्राउण्ड का भूमि (मकान के साथ)।

ए० रागवेन्द्र राव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 30-5-1974  
मोहर :



प्ररूप आई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1974

नं० आर० ए० सी० 17/74-75—यतः, मुझे एस० बाल मुन्नमण्णम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 4-8-80/सी खमम् है, जो खमम् में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खमम् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

10-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भोनगिरी सूर्य प्रकाश राव पुत्र नारायणा भेल्लन्दु, वालू को, खमम् जिला (अन्तरक)

(2) श्री आन्माकुरी लच्चय्या तथा अन्य 10 व्यक्ति ग्रेन मार्फेट रोड, खमम् (सलग्न प्रति) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति: नं० 4-8-80/सी खमम्, “कन्यका परमेश्वरी दाल फ्लोवर गायम तथा ग्राऊंडनट आईल मिल, झहीर पुरा, खमम् (क्षेत्रफल 5173.90 वर्ग मीटर्स)।

एस० बालमुन्नमण्णम्,  
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 13-6-74  
मोहूर:

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जून 1974

निर्देश सं० आ० ए० सी० 16/74-75—यतः मुझे एस० बालसुब्रमण्यम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9/289, बी-1 और बी-2, पट्टीचालमय्या स्ट्रीट है, जो कड़प्पा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कड़प्पा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कड़प्पा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री बी० वेकटन् रसय्या, (2) नरसय्या पुत्र पिचयय्या, (3) पी० वेन्कटसुब्बय्या (4) जाम्मा पुत्री वाय राज रेड्डी (5) वाय राज सेखर रेड्डी (6) जिका चन्नायडू (अन्तरक)

(2) (1) श्री पी० कृष्णामूर्ति पुत्र पी वेन्कटप्पा, (2) ए० वेन्क तुलसम्मा पत्नी वें नरसू, (3) ए० ललीतम्मा पुत्री ए० निम्मय्या (4) ए० सु रुकिमनम्मा पत्नी ए० रंगनाथन्, (5) पी० आदी लक्ष्मम्मा पत्नी पी० रामप्पा, 9/289/बी-1 पोट्टी पाटी चालमय्या स्ट्रीट, कड़प्पा। (अन्तरिती)

(7) जो लक्ष्मीनारायण पुत्र पुल्लय्या 9/289-बी-1 और 13-2 पट्टी पाटी चालमय्या स्ट्रीट, कड़प्पा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—श्रीनिवास पिकचर्स प्यालेस नं० 9/289/बी-1 और बी-2, पट्टी चालमय्या स्ट्रीट, कड़प्पा।

एस० बालसुब्रमण्यम,  
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 13-6-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर: अर्जन रेंज II, हैदराबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 जून 1974

निर्देश सं० 75/अर्जन/73-74/4014/903—यतः मुझे, आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 108/186 है, जो रामबाग कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24/12/74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

(1) श्री श्यामा निगम पत्नी मनोहरलाल, (2) श्री कमला-कान्त पुत्र मनोहरलाल, (3) श्री रमाकान्त पुत्र मनोहर लाल—सभी निवासी: 108/186, रामबाग कानपुर। (अन्तरक)

2 (1) श्री गिरजा शंकर त्रिवेदी, (2) श्री कृपाशंकर त्रिवेदी (3) श्री शमोक कुमार त्रिवेदी (नाबालिग), (4) श्री मजय त्रिवेदी (नाबालिग)---सभी निवासी : 108/186, रामबाग, कानपुर। (अन्तरिती)

वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है :—

3 (1) श्री कुलवीर सिंह, (2) श्री कल्याण सिंह, (3) श्री गुरु प्रसाद (4) श्री गुरुचरन, (5) बालेश्वर, (6) श्री हंसराज चावला, (7) श्री प्रकाश नारायण, (7) श्री सुभालाल सभी निवासी : 108/186, रामबाग, कानपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता मकान जिसका म्युनिमिपल नं० 108/186, रामबाग, कानपुर में स्थित 45,000 में बेचा गया।

तारीख: 14-6-74  
मोहर :

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

## स्टेनोग्राफर ग्रेड I सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० एफ० 13/10/73 ई-1 (बी)—भारत के राजपत्र दिनांक 7 सितम्बर, 1974 में संविमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड I की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 11 मार्च, 1975 से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यह चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें कहां, किस समय और किस तारीखों को उपस्थित होना है (देखिये उपाबंध II, पैराग्राफ 9)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड I की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु चुने जाने वाले उम्मीदवारों की अनुमानित संख्या 20 होगी।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन गतिवियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण एक रुपया भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कृपण पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

एक रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्टेनोग्राफर ग्रेड I सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। स्टेनोग्राफर ग्रेड I सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित-प्रपत्रों से हटकर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस नई दिल्ली-110011 के पास 4 नवम्बर, 1974 को या उससे पहले (4 नवम्बर, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंशमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 18 नवम्बर, 1974 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए।

निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबंध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति में अवश्य करें।

जिस आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एम० प्रुथी,  
उप-सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

## उपाबंध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) की राशि का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजने समय विदेशों में रह रहे हों, अन्यथा किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबंध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा में वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया, उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपयुक्त व्यवस्था तथा नोटिस के पैरा 8 में उपबधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

### उपाबन्ध-II

#### उम्मीदवारों को अनुदेश

1 इस नोटिस के पैरा 3 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा में सबद्ध नोटिस, नियमावली आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण मध्य लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उसे अपनी पसंद के क्रमानुसार दो अन्य भारतीय मिशनो (वह स्वयं जिस देश में हैं उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। उम्मीदवार को, आयोग यदि चाहे तो, उसके द्वारा उल्लिखित तीन मिशनो में से किसी भी एक में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन प्रपत्र के कालम 6 में उस भाषा के नाम का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिसमें वे (i) भारत सरकार सचिवालय तथा सबद्ध कार्यालयों में क्रिया विधि तथा कार्य प्रणाली, (ii) भारतीय सविधान तथा सरकारी मशीनरी का सामान्य ज्ञान, समद से सम्बन्ध कार्य प्रणाली तथा क्रियाविधि और (iii) उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट के पैरा 4 के अनुसार सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों के उत्तर देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम समझा जाएगा, तथा उक्त कालम में परिवर्तन करने से सबद्ध किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त पत्र (पत्रों) के उत्तर अंग्रेजी में लिखे जायेंगे।

(iv) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, मध्य लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुँच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 4 नवम्बर, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों या लक्षद्वीप में रह रहा था।

9—226 GI/74

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र सबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अंत में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

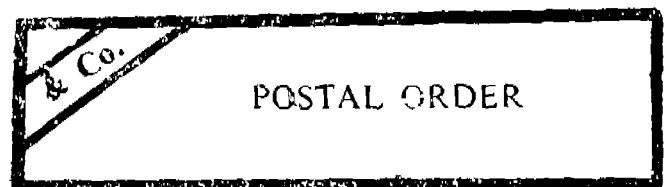
3 उम्मीदवार का अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाणपत्र अवश्य भेजने चाहिए —

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर (देखिए उपाबन्ध I)।
- (ii) उम्मीदवार के हाथ ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ।
- (iii) जहाँ लागू वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (iv) जहाँ लागू हो वहाँ शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपयुक्त प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षण परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेते हों उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपयुक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1975 के जून मास में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों की मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं, उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का बाधा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (ii) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (iii) और (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों का विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं।

(1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए



तथा इस प्रकार भरा जाए. "Pay to the Secretary, union Public Service Commission at New Delhi General Post Office"

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या फटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिये।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट रख लेना चाहिए कि जा पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

**नोट .—**जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजने समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क को राशि (रु० 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं और उनसे कहा जाएगा कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "051 Public Service Commission-Examination Fee." में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय में रसीद ले कर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) **फोटो की दो प्रतियां** — उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह बन्धी रख देनी चाहिए। फोटो को प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार का स्पष्टीकरण देना चाहिये।

**ध्यान दें :—**उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ फोटो की प्रतियों को प्रस्तुत नहीं किया जाता और उनकी अनुपस्थिति के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकार दिया जा सकता है तथा उनकी अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन-पत्र के साथ न प्रस्तुत किए गए प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र प्रस्तुत किए जाने के बाद भी नहीं भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार दिया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, ताला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए मक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए कार्य में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन में आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के एहों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
मुपुल/मुपुता/श्री\*  
जो\* गांव/कस्बा\*  
जिला/मंडल\* राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\*  
के/की\* निवासी है—जानि/जनजाति\* के/की\* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति\* के रूप में मान्यता दी गई है—

वम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956\*

संविधान (जम्मु और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956।\*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959।\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962।\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964।\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967।\*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968।\*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968।\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी—  
और/या उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा—  
जिला/मंडल— में  
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र— में  
रहते/रहती है।

हस्ताक्षर—

पद नाम—

कार्यालय की मोहर

स्थान—

तारीख—

राज्य

मधे राज्य क्षेत्र

जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया वाट दें।

नोट. —यहाँ "आमतौर से रहते/रहती हैं" का अर्थ यहाँ होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950, की धारा 20 में है। अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी —

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडिशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लैक्टर प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/मिटी मैजिस्ट्रेट/मह डिविजनल मैजिस्ट्रेट/नालका मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा कमिस्ट्रेट कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से बम ग्राहक या नहीं)

- (ii) चीफ प्रेमिडेसी मैजिस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेमिडेसी मैजिस्ट्रेट/प्रेमिडेसी मैजिस्ट्रेट।  
 (iii) रेवेन्यू अफसर, जिसका ग्राहदा तहसीलदार में बम न हो।  
 (iv) उम शलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।  
 (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डिवलप-मेंट अफसर (लक्ष्य द्वीपमूह)।

5. उपाबंध I के पैराग्राफ 1 के अन्तर्गत शुल्क में छूट वा दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान में विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान में वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आया है —

- (1) दंडकारण्ड परियोजना के ट्रांजिट केंद्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के बॉम्प कमांडेंट।  
 (2) उम क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।  
 (3) सबद्व जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।  
 (4) अपने ही कार्यभार के अधीन, सबद्व सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।  
 (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/

प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(II) उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले श्री लंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य के लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(III) उपाबंध 1 के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया, है अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6 उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्योरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाए।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख प्रस्तुत करें या उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में ठीक नहीं करें, उससे परिवर्तन नहीं करें, फेरबदल नहीं करें और न ही फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विमंगति हो तो विमंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

7 आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

8. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती कार्ड न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

9. इस परीक्षा से प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदनपत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।

10. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

11. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आवि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष।
- (3) रोल नंबर (अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि यदि रोल नं० सूचित नहीं किया गया हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आवि में यह व्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं किया जाए।

12. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आवि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिला जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 11 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

### संघ लोक सेवा आयोग

वि० सं० 36

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं :—

आयोग, उचित समझे तो, योग्यताओं में छूट दे सकता है।

उच्च प्रारंभिक वेतन योग्यताओं के अनुसार दिया जा सकता है।

आयु 1-1-1974 तक की गिनी जाएगी। (विस्थापितों, अ०जा०, अ०ज०जा० और सरकारी कर्मचारियों को, जहां अन्यथा न बताया गया हो, आयु-सीमा में छूट संभव)।

आवेदन पत्र और विवरण के लिए सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली-110011 को बिना टिकट के अपना पता लिखे हुए लिफाफे (23×10 सें०मी०) के साथ मव संख्या, पद का नाम और विज्ञापन संख्या का हवाला देते हुए लिखें।

पदों का स्वरूप—स्थायी :—क०सं० 8, 1, 20, 22 और और 25 किन्तु नियुक्ति अस्थायी। अस्थायी : क०सं० 2 में 7, 9 में 19, 21, 23 और 24 किन्तु अनिश्चित काल तक चलना संभव।

आवेदन शुल्क भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में आठ रु० (अ०जा० और अ०ज०जा० के लिए दो रु०); विदेश के उम्मीदवार भारतीय दूतावास में शुल्क जमा करें।

आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख :—7 अक्टूबर, 1974 (विदेश, अंडमान, निकोबार और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के लिए 21 अक्टूबर, 1974)।

संकेत :—अ०जा०—अनुसूचित जाति, अ०ज०जा०—अनुसूचित जन जाति, अ०यो०—अनिवार्य योग्यताएं।

1. एक परियोजना अधिकारी (पेट्रो-रसायन), पेट्रो० और रसा० मंत्रा०। वेतन :—रु० 1300-60-1600 (अपरि-शोधित)। आयु :—45 वर्ष अ०यो० :—रसा० विज्ञान में एम० एस० सी० डिग्री या रसा० इंजी०/प्रौद्योगिकी में डिग्री। किसी रसा० उद्योग में परियोजना आयोजन, प्रक्रिया मूल्यांकन और विकास से संबद्ध 10 वर्ष का (पेट्रो०-रसा० में 2 वर्ष के अनुभव सहित) व्यावहारिक अनुभव या रसा० उद्योगों के आयोजन/विकास/उत्पादन समस्याओं से संबद्ध सरकारी विभागों में समान अनुभव तथा औद्योगिक परियोजना प्रतिवेदनों के मूल्यांकन का अनुभव।

2. एक अनुसंधान अधिकारी, राष्ट्रीय एटलस संघटन, कलकत्ता, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग। वेतन :—रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (परिशोधित)। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—भूगोल या समवर्गी विषय में "मास्टर" डिग्री। अनुसंधान का पर्याप्त अनुभव जिसमें आंकड़ों का संग्रह तथा विभिन्न प्रकार के मानचित्रों का बनाना सम्मिलित हो और जिसका प्रमाण प्रस्तुत किया जाए।

3. एक सहायक निदेशक (रसा०), राष्ट्रीय परीक्षण-शाला, कलकत्ता/बम्बई, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रा० (पूर्ति विभाग)। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (अपरि-शोधित)। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—विशुद्ध या प्रयुक्त रसा० विज्ञान में "मास्टर" या समकक्ष ग्रान्स डिग्री। अथवा रसा० इंजी० में डिग्री या समकक्ष डिप्लोमा तथा कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थों के विवर्णन का 5 वर्ष का अनुभव।



4. सात कनिष्ठ जलविज्ञानी, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड, फरीदाबाद (हरियाणा) (3 पद अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—भूविज्ञान या जलविज्ञान में "मास्टर" डिग्री या सिविल इंजी० में डिग्री।

5. दो उप निवेशक (खाद्य उद्योग), औद्योगिक विभाग विकास मंत्रा० (एक पद अ० ज० जा० के लिए आरक्षित) वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250 परिशोधित रु० 1100-50-1600। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—खाद्य प्रौद्योगिकी/रसा० इंजी० में डिग्री या विज्ञान में डिग्री तथा साथ में खाद्य/कल प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। खाद्य और तत्सम उद्योग से सख्त किसी विख्यात प्राविधिक संगठन या औद्योगिक प्रतिष्ठान में किसी दायित्वपूर्ण तैमियन से 7 वर्ष का अनुभव।

6. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-I, आयुध प्रौद्योगिकी संस्थान, पूना, रक्षा मंत्रा०। वेतन :—रु० 700-50-1250 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अ० यो० :—इलैक्ट्रा०/संचार इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। अथवा इलैक्ट्रा० के विषय सहित भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री तथा विणपत्रना के क्षेत्र में अभ्यापन, अनुसंधान/अभिकल्पन और विकास का 4 वर्ष का अनुभव।

7. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-I, विकास दल, जबलपुर, रक्षा मंत्रा०। वेतन :—रु० 700-50-1250 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अ० यो० :—यांत्रिक इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। बटूकों के विणप संदर्भ में आयुद्धों के अभिकल्पन और विकास का 4 वर्ष का अनुभव।

8. एक ड्राफ्ट्समैन, योजना और विकास एकक, आकाशवाणी महानिदेशालय। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—डिग्री जो वरीयतः वैद्युत, यांत्रिक तथा सिविल इंजी० अभिकल्पनों से सम्बद्ध आरेखन कार्यालय में अनुभव के साथ हो। अथवा इंजी० में डिप्लोमा और वैद्युत, यांत्रिक तथा सिविल इंजी० अभिकल्पना से सम्बद्ध आरेखन कार्यालय में किसी दायित्वपूर्ण पद पर 3 वर्ष का अनुभव।

9. चार कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—वर्ग I तथा II (2 पद) :—इलैक्ट्रा० इंजी० में या इलैक्ट्रा० में विशेषज्ञता के साथ वैद्युत इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। वर्ग III (1 पद) :—दूर संचार/इलैक्ट्रा० इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। वर्ग IV (1

पद) :—घन अवस्था भौतिकी या इलैक्ट्रा० के विशेष विषय के साथ भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री या इलैक्ट्रा इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

10. दो कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रा०। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-द० रो०-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—वैद्युत इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

11. इंजी० और सर्वेक्षण का एक सहायक आख्याता, वन अनुसंधान संस्थान तथा कालेज, बेहराखून। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—सिविल इंजी० में डिग्री या ए० एम० आर्क० भी० ई०।

12. उन्नीस कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रा०। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 परिशोधित रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—वैमानिक/यांत्रिक इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

13. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रा०। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 परिशोधित रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—रसा० इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

14. चार कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रा०। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 सम्भावित परिशोधन रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—धातु इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

15. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रा०। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—यंत्र प्रौद्योगिकी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

16. पांच कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय, रक्षा मंत्रा०। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष

से कम। अ० यो० :—इलैक्ट्रा०, मे विणेषजता सहित इलैक्ट्रा/दूर संचार/ वैद्युत इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। अथवा रेडियो/दूर संचार मे विणेषजता सहित भौतिकी मे द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री।

17. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II, आयुध प्रौद्योगिकी संस्थान, पूना, रक्षा मंत्रा०। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयत : 30 से कम। अ० यो० :—वैद्युत इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। विणेषजता के क्षेत्र में अध्यापन, अनुसंधान/अभिकल्पन और विकास का 2 वर्ष का अनुभव।

18. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-II, आयुध अनुसंधान और विका० प्रतिष्ठान, पाशान, पुणे, रक्षा मंत्रा०। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—यांत्रिक इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। सामान्य इंजी० कलपुर्जों के उत्पादन तथा उनके निरीक्षण का 2 वर्ष का अनुभव।

19. दो अनुसंधान अधिकारी (इंजी० सिविल), केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पूना, विद्युत और सिंचाई मंत्रा०। (एक एक पद अ० जा० और अ० ज० जा० के लिए आरक्षित उनके न मिलने पर क्रमशः अ० ज० जा० और अ० जा० के लिए आरक्षित, दोनों के न मिलने पर अनारक्षित)। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—सिविल इंजी० में डिग्री।

20. एक सहायक निदेशक ग्रेड-I (लागत), वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई, वाणिज्य मंत्रा०। (अ० जा० के लिए आरक्षित, न मिलने पर अ० ज० जा० के लिए आरक्षित दोनों के न मिलने पर अनारक्षित)। वेतन :—रु० 400-40-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 परिशोधित रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—भारतीय चार्टर्ड लेखाकार संस्थान या भारतीय लागत एवं कार्य लेखाकार संस्थान का “एग्जामिण्ट”। लागत एवं वित्तीय समस्याओं से संबद्ध कुछ अनुभव।

21. एक अधीक्षक, शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों का व्यावसायिक पुनर्वासन केन्द्र, श्रम मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 परिशोधन रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 सम्भव। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री। शारीरिक रूप से अक्षम ने व्यक्तियों के पुनर्वासन या नियोजन या मृत्याकन या प्रशिक्षण से संबद्ध कार्य का 5 वर्ष का अनुभव।

22. एक तकनीकी अधिकारी (प्रवर्तनी), स्वा० और प० नि० मंत्रा०। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित) आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री। प्रदर्शनियों के आयोजन का 3 वर्ष का अनुभव।

23. एक भण्डार अधिकारी, भारतीय प्राणिविज्ञान सर्वेक्षण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग। वेतन :—रु० 400-40-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 (अपरि-

शोधित)। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री। भण्डारों के क्रय, अनुरक्षण तथा रख-रखाव और भण्डार लेखा के अनुरक्षण का 3 वर्ष का अनुभव।

24. तीन सहायक इंजीनियर, स्वा० विद्युत और निर्माण विभाग, पांडिचेरी सरकार। (पद अ० जा० के लिए आरक्षित, यदि उपलब्ध अन्यथा अ० ज० जा० के लिए आरक्षित) :—वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—सिविल इंजी० में डिग्री या सिविल इंजी० में डिप्लोमा तथा साथ में 3 वर्ष का व्यावसायिक अनुभव।

25. एक स्वास्थ्य शिक्षा प्राध्यापक ग्रेड-I (सम्पादकीय-हिन्दी), स्वा० से० महानिदेशालय, स्वा० और प० नि० मंत्रा० (अ० जा० के लिए आरक्षित यदि अ० जा०/अ० ज० जा० अनुपलब्ध तो अनारक्षित)। वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900 (परिशोधित)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—हिन्दी में “मास्टर” डिग्री। अथवा हिन्दी में प्राच्य योग्यता जैसे, साहित्य रत्न तथा साथ में कोई डिग्री और किसी पद पत्रिका, दैनिक समाचार पत्र या समाचार एजेंसी में या सरकार के अधीन हिन्दी में पत्रकारिता का 3 वर्ष का अनुभव।

#### शुद्धि-पत्र

1. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी-I, वस्त्र तथा भंडार अनु० वि० प्रतिष्ठान, कानपुर, रक्षा मंत्रा० (दिनांक 6-7-1974 को प्रकाशित सं० लो० से० आ० विज्ञापन सं० 27 मद सं० 12) अ० यो० (i) संशोधित होकर “वस्त्र रसा० वि० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री” अंतिम तारीख 7-10-74 (विदेश स्थित उम्मीदवारों के लिए 21-10-74) तक बढ़ाई गई।

2. दो सहा० संगीत निर्देश०, फिल्म प्रभाग, सू० और प्र० मंत्रा० : (8-4-74 को प्रकाशित सं० लो० से० आ० विज्ञा० सं० 15 मद सं० 12) इन पदों की भर्ती एतद्द्वारा रद्द। उम्मीदवारों द्वारा भ्रदा किया गया शुल्क यथाविधि वापस होगा।

#### स्टेनोग्राफर ग्रेड-I सीमित विभागीय प्रतियोगिता

परीक्षा, 1975, 11 मार्च, 1975 को होगी

केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड-II में सेवान्त केवल कुछ वर्गों के विभागीय उम्मीदवार ही इस परीक्षा के लिए आवेदन के पात्र हैं जो कि के० सं० स्टे० से० के० ग्रेड-I की प्रवर की प्रवर सूची में व्यक्तियों की सम्मिलित करने के लिए ली जा रही है। विवरण तथा प्रपत्र सचिव को मनी-आर्डर द्वारा रु० 1/- भेजकर अथवा सं० लो० से० आ० के काउंटर पर नकद भगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं।

अंतिम तारीख :—4 नवम्बर, 1974 (विदेश स्थित उम्मीदवारों के लिए 18 नवम्बर, 1974)।

अशोक चन्द्र बन्धोपाध्याय, सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st July 1974

No. A.12022/6/74-Admn.I.—Shri Jagdish Chandra, an officer of the Indian Postal Service, assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 19th July, 1974

M. R. BHAGWAT, Under Secy.  
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 7th August 1974

No. A.32013/1 74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Pandit, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months from 26-6-74 to 25-9-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.  
Incharge of Administration  
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 13th August 1974

No. A.12022/2/74-Admn.I.—The Union Public Service Commission has been pleased to allow to continue Shri D. R. Kohli, a permanent officer of the Selection Grade of the CSS and officiating as Controller of Examinations, Union Public Service Commission as Secretary of the Committee on Recruitment Policy and Selection Method, set-up under the Chairmanship of Dr. D. S. Kothari for a further period with effect from the forenoon of 15th July, 1974 to 28th February 1975.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.  
for Chairman.  
Union Public Service Commission.

ENFORCEMENT DIRECTORATE

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL)

New Delhi, the 30th July 1974

No. A-11(46)/74—Shri J. N. Verma, Inspector of Central Excise, Kanpur is appointed as Enforcement Officer in the Agra Sub-Zonal Office of this Directorate with effect from 12-7-74 (FN) and until further orders.

S. B. TAIN, Special Director.

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS/C.B.I.)

New Delhi-110001, the 17th August 1974

No. PF/k-3/70-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Puri, IPS (Madhya Pradesh) as officiating Deputy Inspector General of Police in the Special Police Establishment, Central Bureau of Investigation with effect from the afternoon of 29th July, 1974 until further orders.

The 19th August 1974

No. PF/S-19/74-AD.V.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri S. K. Saxena, an IPS Officer of Bihar Cadre, as Assistant Director (Interpol) Division, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 31st July, 1974, until further orders.

No. PF/V-7/74-AD.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police

Establishment hereby promotes Shri Vishnu Dev Maheshwari permanent Inspector C.B.I., CIA-I, as Dy. Supdt. of Police in the C.B.I., S.P.F. with effect from 3-8-74 (AN) in a temporary capacity, until further orders.

No. B/8/74-AD.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri Bhola Das permanent Inspector, C.B.I., CIA(I) as Dy. Supdt. of Police in C.B.I./S.P.F. with effect from the forenoon of 4-8-74 in a temporary capacity, until further orders

G. L. AGARWAL, Administrative Officer(E)  
C.B.I.

New Delhi, the 20th August 1974

No. PF/S-247/74-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby promotes Shri S. B. Sinha Sub-Inspector as Inspector of Police in Ahmedabad Branch of the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation in a temporary capacity with effect from the forenoon of 8th July, 1974 until further orders

G. L. AGARWAL, Administrative Officer  
for Deputy Inspector General of Police  
Special Police Establishment

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Office of the Inspector General

Central Industrial Security Force

New Delhi-110003, the 27th May 1974

No. E-33013/1/74-Ad.I.—On acceptance of resignation, Shri Anthony Paulose, Deputy Superintendent of Police, Intelligence Wing, Central Industrial Security Force, Bank Note Press, Dewas relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 3rd May, 1974.

The 1st August 1974

No. E-16016/10/73-Ad.I.—On repatriation to his parent office Ministry of Railways (Railway Board), Shri R. P. Biswas, Section Officer, Central Industrial Security Force, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the Forenoon of 1st August, 1974.

The 6th August 1974

No. 16014(1)/26/73-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Dharam Vir Behal, on deputation, to the post of Commandant No. 8th Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at New Delhi with effect from the Forenoon of 1-7-74 in an existing vacancy.

I. S. BISHT, Inspector General

Office of the Registrar General, India

New Delhi-110011, the 14th August 1974

No. 25/2/73-RG(AdI).—In continuation of this office Notification No. 25/2/73-RG(AdI) dated 13 March 1974, the President is pleased to continue the re-employment of Shri H. S. Kwatra as Deputy Director of Census Operations, Punjab for a further period of six months with effect from 1 September 1974.

R. B. CHARI, Registrar General,  
ex-officio Joint Secretary

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

Calcutta-53, the 14th August 1974

No. F 327/9631.—Shri Haripada Das, Engineer, India Government Mint Alinore, Calcutta is appointed as Engineer (Selection Grade) in the same department on pay

according to C.C.S. (Revised Pay) Rules 1973 in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—E.B.—40—1200 (Gazetted Class II) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14-3-1973, until further order.

D. C. MUKHERJEE, Master of the Mint.

#### OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi-1, the 7th August 1974

No. Admn.I/5-5/Promotion/74-75/1196.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed Shri S. L. Bansil, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840—1200, w.e.f. 22-7-74 F.N. until further orders.

H. S. DUGGAI,  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL BIHAR

Ranchi, the 7th August 1974

No. OEI-Audo-1938.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Jagdish Narain, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 20-5-74 (FN.).

No. OEI-Audo-1943.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Lal Gopal Mitra, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-6-74 (FN.).

No. OEI-Audo-1948.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Braj Bihvani Prasad, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from.....

No. OEI-Audo-1953.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Parbati Shankar Prasad, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-4-74 (FN.).

No. OEI-Audo-1958.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Deb Kumar Sen, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-4-1974 (FN.).

B. P. SINHA, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)  
Bihar.

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MAHARASHTRA

Bombay, 400020, the 8th August 1974

No. Admn.I/IAD/31/Vol.III/11.—The Accountant General, Maharashtra-1, Bombay, is pleased to appoint Shri Sd. Mohd. Rahimatullah, a member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 18-7-74 FN. until further orders.

No. Admn.I/IAD/31/Vol.III/12.—The Accountant General, Maharashtra-1, Bombay, is pleased to appoint Shri A. C. Pinto, member of the S.A.S. to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 20-7-74 FN. until further orders.

A. B. Palekar,  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL TAMIL NADU

Annexure

#### DRAFT NOTIFICATION

The following substantive incumbents of the subordinate Accounts Service of the Office of the Accountant General, Tamilnadu (I & II) are appointed to officiate as Accounts Officers in that office with effect from the dates noted against each and without prejudice to the claims of their seniors. The promotion is made on a provisional basis subject to the decision of the supreme court of India in Civil appeal No. 1584 to 1588 N of 1973 filed against the judgement of the H. C. of Judicature in W. P. No. 2213 and 4241 to 4244 of 1970.

Sl. No.	Name	Date
	S/Sri/Smt./Selvi	
1.	C. S. Jagadambal . . . . .	31-10-73 (F.N.)
2.	N. A. Damodaran . . . . .	31-10-73 (F.N.)
3.	B. Rangarathnam . . . . .	Do.
4.	R. Sampurnam . . . . .	Do.
5.	A. Seetharaman . . . . .	Do.
6.	S. Abdul Jaleel . . . . .	Do.
7.	N. Muniaswamy I. . . . .	Do.
8.	G. Nagarajan-I. . . . .	Do.
9.	Charles V. I. Moses . . . . .	Do.
10.	K. S. Rangaswamy . . . . .	Do.
11.	P. S. Sivaguru . . . . .	Do.
12.	R. Venkataraman-II . . . . .	1-11-73 (F.N.)
13.	R. Thulasiraman . . . . .	19-11-73 (F.N.)
14.	A. K. Raman . . . . .	1-11-73 (F.N.)
15.	T. S. Vaidyanathan-II . . . . .	Do.
16.	A. P. Srinivasan . . . . .	Do.
17.	V. Ramachandran-I . . . . .	22-12-73 (F.N.)
18.	S. Kuppuswamy . . . . .	Do.
19.	S. Nagarajan-I . . . . .	Do.
20.	T. D. Sundaram . . . . .	Do.
21.	R. Padmanabhan . . . . .	24-12-73 (A.N.)
22.	P. S. Krishnamurthy II . . . . .	26-12-73 (F.N.)
23.	T. Varadachari . . . . .	17-1-74 (F.N.)
24.	P. C. Raghunathan . . . . .	13-3-74 (F.N.)
25.	S. S. Muralidharan . . . . .	Do.
26.	R. Joseph Leo . . . . .	Do.
27.	S. Ramanujam . . . . .	8-4-74 (F.N.)
28.	P. A. Mahadevan . . . . .	Do.
29.	B. S. Radhakrishnan . . . . .	3-5-74 (F.N.)
30.	N. Krishnamurthy-I . . . . .	Do.
31.	R. Srinivasan-XVI . . . . .	Do.
32.	R. Ramakrishnan . . . . .	15-5-74 (F.N.)
33.	G. Velu . . . . .	Do.

Sri M. Jagannathan, an officiating incumbent of the Subordinate Accounts Service of the Office of the Accountant General, Tamilnadu is appointed to officiate as Accounts Officer in that office with effect from 31-10-73 F.N. until further orders and without prejudice to the claims of his seniors. The promotion is made on a provisional basis subject to the decision of the Supreme Court of India in Civil Appeal No. 1584 to 1588 (N) of 1973 filed against the judgement of the High Court of Judicature Madras in W.P. 2213 and 4241 to 4244 of 1970.

R. RAGHAVACHARI,  
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Controller General of Defence Accounts

New Delhi, the 7th August 1974

No. 40011 (2)/74-AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
	Sarvashri			
1.	M. L. Malik (P/152)	Permanent Accounts Officer	31-1-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
2.	V. R. Marathe (P/410)	Permanent Accounts Officer	31-10-74 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
3.	P. C. Soni (P/424)	Permanent Accounts Officer	28-2-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
4.	K. S. Bedi (P/474)	Permanent Accounts Officer	28-2-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
5.	A. N. Guha (P/631)	Permanent Accounts Officer	31-1-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
6.	S. P. Agarwal (O/79)	Officiating Accounts Officer	31-1-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
7.	R. R. Sharma (O/88)	Officiating Accounts Officer	31-3-75 (A.N.)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.

No. 18218/AN-II.—On attaining the age of superannuation on 20-10-74 Shri C. L. Beotra an officer of the Indian Defence Accounts Service will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 1-11-1974 (FN).

No. 18119/AN-II.—On attaining the age of superannuation on 6-5-74, Shri K. P. Kundu an officer of the Indian Defence Accounts Service, was transferred to Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 31-5-74 (AN).

## CORRIGENDUM

2. Notification bearing this office No. 18119/AN-II of 29-3-74 published in the Gazette of India Part-3, Section-I (P-2424) dated 23-4-74 in respect of Shri K. P. Kundu is cancelled.

S. K. SUNDARAM,  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

Office of the Development Commissioner  
Small Scale Industries

New Delhi, the 7th August 1974

No. A-19018/145/74-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri B. M. L. Tripathi, a quasi-permanent Investigator and officiating Small Industry Promotion Officer, in the Small Industries Service Institute, Kanpur to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Small Industries Service Institute, Indore on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 20th June, 1974.

The 16th August 1974

No. A-19018/136/74-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to

10—226GI/74

and officiating Small Industry Promotion Officer) in the Small Industries Service Institute, Calcutta to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Branch Institute, Agartala (under Small Industries Service Institute, Gauhati), on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 12th June, 1974.

K. V. NARAYANAN, Dy. Director (Admn).

## MINISTRY OF COMMERCE

Office of the Textile Commissioner  
Bombay-20, the 16th August, 1974

No. CLB.I/5/65A/74.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. CLB. I/5/65 A, dated the 4th March, 1966 namely :—

In the Table appended to the said Notification in column 3 against Serial No. 11C for the words and marks "Directors, Senior Enforcement Officers and Deputy Directors at Headquarters and Regional Offices" the words and marks "Directors, Senior Enforcement Officers, Deputy Directors at Head Quarters and Directors, Senior Enforcement Officers, Deputy Directors and Assistant Directors in the Regional Offices" shall be substituted.

G. S. BHARGAVA, Joint Textile Commissioner

Bombay-20, the 6th August 1974

No. 10(1)/73-74/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)73-74/CLB.II dated the 11th April, 1974, namely :—

In the Schedule appended to the said Notification, for the existing entry in column 3 against S. No. 1, the following shall be substituted, namely :—

"Not exceeding the quantity equivalent to two months' average monthly consumption."

S. K. BAGCHI, Textile Commissioner.

Office of the Joint Controller of Imports & Exports  
Madras-1, the 23rd May 1974

#### ORDER OF CANCELLATION

SUB: Cancellation of Import licence (both Customs and Exchange Control copies) No. P/E/0209620 dated 8-1-1973 issued to M/s. Sha Manrupchand Bharatmal Jain, Madras-1.

No. ITC/Dup/Copy/1/AM75/EP/1049.—M/s. Sha Manrupchand Bharatmal Jain, Madras-1, were granted a licence No. P/E/0209620/C/XX/46/M/35-36 dated 8-1-1973 for Rs. 938/- (Rupees nine hundred and thirtyeight only) by this office for import of General drugs and medicines (S. No. 87—109/IV) for the period AM73.

The firm have now applied for grant of duplicate copy of the above licence (both Customs and Exchange control copies) on the ground that the original has been misplaced/lost. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the original licence has been misplaced/lost and I directed that a duplicate copy of the licence (both Customs and Exchange control copies) should be issued to the applicant firm. The original of the licence (both Customs and Exchange control copies) is hereby cancelled to the extent of its full value i.e. Rs. 938/-.

SUB: Cancellation of Import licence (both Customs and Exchange Control copy) No. P/E/0209887 dated 20-6-73 issued to M/s. Mylon Trading Co., Madras-1.

No. ITC/Dup/Copy/2/AM75/EI/1050.—M/s. Sri Mylono Trading Co., Madras-1, were granted a licence No. P/E/

0209887/C/XX/47/M/37-38 dated 20-6-1973 for Rs. 1250/- (Rupees one thousand two hundred and fifty only) by this office for import of General drugs and Medicines (S. No. 87-109/IV) for the period AM 74.

The firm have now applied for grant of duplicate copy of the above licence (both Customs and Exchange Control Copies) on the ground that the original has been lost. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the original licence has been lost and I directed that a duplicate copy of the licence (both Customs and Exchange Control copies) should be issued to the applicant firm. The original of the licence (both Customs and Exchange control copies) is hereby cancelled to the extent of its full value i.e. Rs. 1250/-.

M. F. R. BIJLI

Dy. Chief Controller of Imports & Exports  
for Joint Chief Controller of Imports & Exports

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

#### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 20th August 1974

#### ESTABLISHMENT

No. 6/768/65-Admn(G)/3740.—On attaining the age of superannuation, Shri S. B. Gupta an Officer of the Section Officers' Grade of the CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 31st July, 1974

B. D. KUMAR

Chief Controller of Imports & Exports

#### (Iron and Steel Division)

Calcutta-1, the 30th June, 1973

#### ORDER

Sub:—Cancellation of Exchange/Customs Clearance Purposes copies of two Import Licences (1) P/S/8221571/C/XX/45/C/35-36/07/20 dated 11-12-72 and (2) P/S/8221572/R/ML/45/C/35-36/07/20 dated 11-12-72 in favour of M/s. Udayan Fabrications, Industrial Estate, Tinsukia, Assam.

No. JC/I&S/IV/07/20/72-73.—The under-mentioned two Import licences were issued in favour of M/s. Udayan Fabrications, Industrial Estate, Tinsukia, Assam:

Import licence No. & Date	Description of materials	Value
1. P/S/8221571/C/XX/45/C/35-36/07/20 dated 11-12-72.	M.s. Sheet Cutting & Defective Sheets in straight length or in coils (excluding all coated Sheet Cuttings & Defectives)—Sl. No. 13 of Schedule 'D' in Appendix 41 of Red Book 1972-73 for manufacture of Agricultural Implements viz. Shovels.	Rs. 5,000/-
2. P/S/8221572/R/ML/45/C/35-36/07/20 dated 11-12-72	-do-	Rs. 5,000/-

The said firm have intimated in their letters Nos. UF/IMP/1/19-21 dated 20-2-73 and UF/IMP/60-62 dated 23-3-73 that they have not received the above quoted licences and the same have not been delivered to them by Postal Authority.

In the circumstances, in pursuance of the power upon me under Clause 9(cc) of Import (Control) Order, 1955 (as amended upto 31-3-73), I hereby cancel the licences mentioned herein after:—

- (1) P/S/8221571/C/XX/45/C/35-36/07/20 dated 11-12-72.
- (2) P/S/8221572/R/ML/45/C/35-36/07/20 dated 11-12-72.

T.T.L.

Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(Administration Section A-1)  
New Delhi-1, the 9th August 1974

No. A-1/1(447).—Shri A. M. Mankikar permanent Superintendent in the Directorate of Supplies & Disposals, Bombay and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30-4-1974 on attaining the age of superannuation.

S. K. JOSHI  
Deputy Director (Administration)  
for Director General, Supplies & Disposals

#### SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 10th August 1974

No. E1-4889/579-SEL.70(CL.II).—Shri Satish Kumar Gupta, is appointed to officiate as Officer Surveyor against temporary post in Class II Service of the Survey of India on pay of Rs. 650.00 p.m. in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 3rd June, 1974 until further orders.

HARI NARAIN  
Surveyor General of India

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES)

Geological Survey of India

Calcutta 13, the 8th August 1974

No. 2222(RCB)/19A.—Shri Ramesh Chandra Bhandari is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15-4-1974, until further orders.

No. 2222(KSA)/19A.—Shri K. Shridhara Adiga is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20-4-1974, until further orders.

No. 2503(IV)A/19B.—On return from the foreign assignment under United Nations Development Programme with the Government of United Arab Republic, Dr. P. D. Malhotra has received charge of the post of Superintending Chemist, Geological Survey of India with effect from the forenoon of 20-4-1974.

The 9th August 1974

No. 3/71/19A.—Shri T. G. S. Iyer, Regional Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Govern-

ment service on superannuation with effect from 3rd April, 1974 (A.N.).

No. 3/71/19A.—Shri G. S. Grewal, Regional Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 5th May, 1974 (forenoon).

No. 91/59/19B.—The President is pleased to appoint Shri Ashis Karanjai as Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India, in the minimum of the pay Rs. 700/- per month in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300—/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th May, 1974, until further orders.

No. 2251(OPS)/19B.—Shri Om Prakash Sharma, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed on promotion as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th June, 1974, until further orders.

C. KARUNAKARAN,  
Director General.

#### ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 14th August 1974

No. 14/4/74-M.—In exercise of the Powers conferred under Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Remains Rules, 1959, I, Mrs. D. Mitra, Director (Monuments) hereby direct that no fee shall be charged for entry into the Taj Mahal, Agra, (Uttar Pradesh) on 15th August, 1974, from 4.00 p.m. to 12.00 (Midnight), 16th August 1974 from 4.00 p.m. to 4.00 (A.M.) (16/17 night) and 17th August, 74 from 6.00 (A.M.) to 4.00 (A.M.) 17/18 night).

MRS D. MITRA,  
Director (Monuments)  
for Director General.

#### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 17th May 1974

E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7), dated the 11th July, 1969, under Class 3-Division 2, add "NITRO-GUANIDINE" after the entry "GUNCOTTON".

I. N. MURTY,  
Chief Controller of Explosives

#### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILM DIVISION

Bombay-26, the 12th August 1974

No. 6/17/54-Fst.I.—Consequent on expiry of leave granted to Shri M. K. Vighne, Officiating Cameraman (CFU), Shri R. B. Mhatre reverted to the post of Cameraman with effect from 3-8-1974 (A.N.)

K. S. KUDVA,  
Administrative Officer,  
for Chief Producer.

#### DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 8th August 1974

No. 7/39/68-Est.II.—Shri R. P. Pushp, a permanent Exhibition Assistant is appointed to officiate as Field Exhibition Officer in this Directorate at Ahmedabad in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 24th June, 1974 (forenoon), until further orders.

R. L. JAIN,  
Dy. Dtr. (Admn.),  
for Dtr. of Advtn. & Visual Publicity.

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th August 1974

No. 1-100/74-Est.I(CGHS).—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Chhajju Mal Goel relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, under the Central Government Health Scheme, New Delhi on the afternoon of the 31st July, 1974.

K. VENUGOPAL,  
Dy. Dtr. Admn (CGHS).

New Delhi, the 3rd August 1974

No. 36-14/72-Admn.I.—Kumari Kusum Lata relinquished charge of the post of Dietician, Willingdon Hospital and Nursing Home, New Delhi, on the forenoon of the 4th July, 1974.

The 6th August 1974

No. 26-13/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Asha Nathan to the post of Librarian Grade I in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi with effect from the forenoon of 1st June, 1974 in a temporary capacity and until further orders.

S. P. JINDAL,  
Deputy Director Administration.

#### MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF COOPERATION)

#### DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 18th August 1974

No. F.3/235/66-AF.I.—Shri P. S. Jagannath Babu, Marketing Officer, Group I, Ongole, is appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer, Group-I on a purely temporary and *ad hoc* basis in the Directorate of Marketing and Inspection of Guntur with effect from 21-6-74 (F.N.), upto 14-7-74 (A.N.).

The 20th August 1974

No. F. 4-5(10)/74-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Shyam Sunder Prasad Rao has been appointed as Marketing Officer, Group I/J, on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Sahibabad (U.P.) in the forenoon of 15-7-74, until further orders.

N. K. MURLIDHARA RAO,  
Agricultural Marketing Adviser,

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Personnel Division

Bombay-85, the 30th July 1974

No. PA/73(5)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Shashikala Rajanikant Tribhuvan to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the same Research Centre from the forenoon of June 19, 1974 to the afternoon of August 16, 1974, or until further orders whichever is earlier.

No. PA/73(5)/73-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Dharmaraj Halligoud Patil to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the same Research Centre with effect from the forenoon of July 1, 1974 for the period of 2 months, or until further orders whichever is earlier.

P. UNNIKRISHNAN,  
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 7th August 1974

Ref. 1/1/71/Estt.XII/1194.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Deb Narayan Bagchi, permanent Assistant Security Officer in this Research Centre to officiate as Security Officer in the same Research Centre from 25-3-1974 (FN) to 14-4-1974 (AN), vice Shri L. H. Karamchandani, Security Officer granted leave.

A. SANTHAKUMARA MENON,  
Deputy Establishment Officer

Bombay-400085, the 8th August 1974

Ref. No. B/620/Accts/Est.III/132.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Shankar Vishnu Bhawe, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 15-4-74 to 10-6-74 *vice* Shri S. A. Jha, Asstt. Accounts Officer granted leave and from 11-6-74 to 5-10-74 *vice* Shri S. G. Joshi, Asstt. Accounts Officer, granted leave.

C. J. JOSEPH,  
Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 29th July 1974

No. 19(6)/(SB)/70-Estt.XIII/693.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Rama Rao Savanal, a temporary Scientific Officer/Engineer (SC1), Fuel Reprocessing Division in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer Grade-SB with effect from February 1, 1969.

**CORRIGENDUM**

In this Centre's Notification No. 19(6)/(SB)/70-Estt. XIII/139 dated January 24, 1974, under the columns 'Post held at present in permanent/officiating capacity' and Division in respect of Shri M. M. Thapar (Sl. No. 10) may be amended to read as Draughtsman (C)/SC1 and R-5 Project instead of Draughtsman (C)/SB and Reactor Operations respectively.

L. H. MIRCHANDANI,  
Establishment Officer

**REACTOR RESEARCH CENTRE**

Kalpakkam, the 30th July 1974

No. RRC/PF/18/71/15398.—Consequent on his selection for appointment as Administrative Officer II in Bhabha Atomic Research Centre, Shri YAGNASWAMY SASTRIGAL SAMBAMURTHI, a permanent Assistant Personnel Officer of BARC, relinquished his charge as Assistant Personnel Officer in this Centre on the afternoon of July 4, 1974.

K. CHAKRAVARTHI,  
Chief Administrative Officer

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 29th July 1974

No. A. 38012/2/73-EC.—The President has been pleased to permit Shri B. A. N. Raju, Technical Officer, Civil Aviation Department to retire from Government Service in terms of the provisions of F.R. 56(k) with effect from the 23rd February, 1974 (forenoon).

S. GUPTA,  
Assistant Director of Administration,  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 1st August 1974

No. A-33023/1/74-EA.—The Director General of Civil Aviation hereby appoints the following Asstt. Aerodrome Officers (Trainees) to the post of Asstt. Aerodrome Officers, Class II, Gazetted post, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B. 880-40-1000-E.B.-40-1200, in a temporary capacity with effect from the dates mentioned against their names and until further orders :—

Sl. No.	Name	Station	Date
1	2	3	4
1.	Sh. Kamal Prashar .	Bombay Airport	4-7-74
2.	Sh. Ashok Raj Walmik .	Calcutta Airport	4-7-74
3.	Sh. Piyushi Joshi .	Do.	4-7-74
4.	Sh. R. N. Chowdhury .	Do.	4-7-74
5.	Sh. P. N. Tewari .	Do.	4-7-74
6.	Sh. Pahari Sanyal .	Do.	4-7-74
7.	Sh. B. K. Keswani .	Do.	4-7-74

1	2	3	4
8.	Sh. M. S. Gosain .	Delhi Airport, Palam.	4-7-74
9.	Sh. P. Kumar .	Do.	4-7-74
10.	Sh. Shyam Sunder Verma .	Do.	4-7-74
11.	Sh. Rakesh Verma .	Do.	4-7-74
12.	Sh. S. P. Kohat .	Nagpur	5-7-74
13.	Sh. L. P. Menzes .	Bombay Airport	26-7-74
14.	Sh. S. S. Sathe .	Do.	26-7-72
15.	Sh. Kamal Kant .	Do.	26-7-74
16.	Sh. R. J. Singh .	Do.	26-7-74
17.	Sh. Mihir Karmaekar .	Calcutta Airport	25-7-74
18.	Sh. Vinay Kapoor .	Safdarjung Airport.	25-7-74
19.	Ku. Paramjeet Sidhu .	Do.	25-7-74
20.	Sh. J. B. R. Prabhakra Rao	Madras Airport	26-7-74

The 5th August 1974

No. A. 32013/2/73-EA.—The President is pleased to give proforma promotion to the following Aerodrome Officers, who are at present on deputation with the International Airports Authority of India, to the grade of Senior Aerodrome Officer, in an officiating capacity, with effect from the dates given against their names and until further orders :—

Sl. No.	Name	Date
1.	Shri C. G. Vishwanath	4-11-73
2.	Shri G. N. Lokre	4-11-73
3.	Shri K. S. Jayaram	21-2-74

The 8th August 1974

No. A. 38012/4/74-EA.—Shri J. Naff, Senior Aerodrome Officer, Delhi Airport, Palam retired from Govt. service on attaining the age of superannuation on the 31st July 1974 (AN).

S. L. KHANDPUR  
Assistant Director of Administration

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 31st May 1974

No. E(1)06694.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri D. S. Desai, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th April, 1974 and until further orders.

Shri Desai, Officiating Assistant Meteorologist has been posted to the office of the Director, Instruments, Poona.

NOOTAN DAS  
Meteorologist  
for Director General of Observatories

**CENTRAL EXCISE COLLECTORATE**

Bangalore, the 18th June 1974

No. 6/74.—The following permanent Inspectors of Central Excise (SG)/Deputy Superintendent (CT) have been appointed until further orders to officiate as Superintendents of Central Excise Class II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge as Supdt. Class-II
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Y. B. Khanapur .	M.O.R., Sadalga	4-4-74 (A.N.)



1	2	3	4
2.	B. Damodar	Customs Special Preventive, Mangalore.	3-4-74 (A.N.)
3.	C. R. Gundu Rao	Bangalore III Dn.	29-5-74 (F.N.)
4.	G. H. D' Cruz	I.G., Bhadravathi	3-6-74 (F.N.)
5.	I. B. Thimmiah	M.O.R., Ravandur	6-6-74 (F.N.)
6.	V. G. Johnson	M.O.R., Harpanahalli	8-6-74 (A.N.)

R. B. SINIA,  
Collector.

### CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION (WATER WING)

New Delhi-22, the 17th August 1974

No. A-19012/82/70-Adm.V. Vol. III.—In partial modification of this Commission's Notification No. A-32014/2/70-Adm. V, dated 13-9-72, the Chairman, Central Water and Power Commission is pleased to decide that the date of appointment of Shri J. G. Idnani in the grade of E.A.D./A.E./A.R.O. (Engg) in the Central Water and Power Commission on a regular basis should be 15-11-1972 instead of 31-5-1972.

The 19th August 1974

No. 19012/452/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri J. P. Anthony to officiate as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis. Shri J. P. Anthony took over charge of the office of Assistant Engineer in the Chanda East Ranging Sub-Division, Chanda with effect from 10-8-1973 (A.N.) to 26-9-1973. On completion of the prescribed eligibility condition Shri J. P. Anthony will be entitled to pay and allowance in the grade of EAD/AE/ARO (Engg.) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 27-9-1973 (F.N.) until further orders.

This notification is issued in supersession of this Commission's notification No. A-19012/452/73-Adm. V, dated 22-4-1974.

No. 19012/446/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri Srikanta Boxi to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/

Assistant Research Officer (Engg.) on an *ad hoc* basis, with effect from 15-7-1974 (A.N.) until further orders.

Shri Srikanta Boxi took over charge of the office of Assistant Engineer in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K.P.B. MENON  
Under Secy.

### (POWER WING)

New Delhi-22, the 8th August 1974

No. 6/3/74-Adm.II(PW).—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Technical Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class-II Service with effect from the dates shown against their names until further orders :—

1. Shri V.B.K. Jain—12-7-1974 (F.N.)
2. Shri N. S. Mohan Rao—18-7-1974 (F.N.)

M. S. PATHAK  
Under Secy.

### SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 7th August 1974

No. P/G/14/300B(Pt.II).—The following Junior Scale (Class I) Officers of Civil Engineering Department of this Railway are confirmed in Junior Scale (Class I) of that Department on this Railway with effect from the date noted against each :—

Name & date from which confirmed

- Shri M. Syed Sulaiman—13th December 1971.  
Shri S. K. Sinha—31st December 1973.  
Shri Rajat Mitra—2nd January 1974.

No. P/G/14/300B(II).—Shri P. S. Prasad, an Officiating Class II Officer of Civil Engineering Department of this Railway is confirmed in Class II service of that Department on this Railway with effect from 20th April 1967.

G.S.A. SALDANHA  
General Manager

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Madras-6, the 8th August 1974

In the matter of the Companies Act, 1956  
And

In the matter of "Thirumal & Co., Private Limited."  
(Section 445 of the Companies Act, 1956)

No. 2994/C.Liqn.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras dated 11th April 1972 passed in C.P. No. 89 of 1971 the company "Thirumal & Co., Private Limited" was wound up.

Sd/- ILLECIBLE  
Addl. Registrar of Companies

### OFFICE OF THE ADDITIONAL COMMISSIONER OF INCOME TAX, KANPUR

#### PUBLICATION OF NAMES IN WHOSE CASES AMOUNT OVER RS. ONE LAKH HAD BEEN WRITTEN OFF DURING THE FINANCIAL YEAR 1973-74

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Asstt. year	Amount written off	Brief reasons for write off
1	2	3	4	5	6
1.	Mrs. Zaffar Mohd. C/o M/s. K. S. Rashid & Sons, Meerut.	Individual	1941-42 1942-43 1943-44 1944-45 1945-46 1946-47	15,568 24,028 1,09,909 1,58,014 1,78,026 6,51,398	The assessee died on 7-1-1946 leaving behind no assets. The outstanding demand of Rs. 9,36,943 has, therefore, been written off.
				9,36,943	
2.	Shri K. S. Rashid Ahmad, Meerut.	Individual	1941-42 1942-43 1943-44 1944-45 1945-46 1946-47 1962-63	15,429 23,915 1,09,807 1,57,604 1,78,959 3,83,995 6,244	The assessee migrated to Pakistan and died there in 1968, leaving behind insufficient assets. Therefore, out of the total demand in arrear against the assessee a demand of Rs. 8,80,000 has been written off keeping the balance alive for some possible future

1	2	3	4	5	6
			1963-64	1,804	recoveries out of the assets known to the department
			1964-65	1,682	
			1965-66	267	
			1966-67	294	
				<u>8,80,000</u>	
3.	S. Kanhaiya Singh, Prop. of M/s. Kartar & Co. Budhana Gate, Meerut.	Individual	1960-61	3,406	The whereabouts of the assessee are not known. The assets known to the department are not sufficient to cover the entire demand outstanding in the assessee's case. Out of the total demand in arrear against the assessee, a sum of Rs. 3,02,697 has been written off keeping the balance demand alive for some possible future recoveries out of the assets known to the department.
			1961-62	6,153	
			1962-63	2,158	
			1963-64	1,04,548	
			1964-65	85,028	
			1965-66	96,086	
			1966-67	5,318	
				<u>3,02,697</u>	
4.	Shri D. P. Bhatnagar, Govind Bhawan, Meerut	Individual	1943-44	16,676	The assessee was declared insolvent on 18-4-1959 and discharge order was made on 17-4-1962. He died on 4-11-1964. The assets known to the department are not sufficient to cover the entire demand outstanding against the assessee. Out of the total arrear demand, a sum of Rs. 2,64,738 has been written off keeping the balance for some possible recoveries out of the assets known to the department.
			1944-45	2,41,835	
			1945-46	6,227	
				<u>2,64,738</u>	
5.	M/s. Hasmat Ullah & Co., Meerut.	R.F.	1943-44	1,907	There are no chances of recovery of the demand outstanding against the firm. The assets of the partners who are alive and are available are not sufficient to cover the entire demand outstanding against the assessee. Out of the total outstanding demand a sum of Rs. 4,12,688 has been written off keeping the balance alive for some possible future recoveries out of the assets known to the department.
			1945-46	1,16,199	
			1946-47	2,22,916	
			1947-48	71,666	
				<u>4,12,688</u>	
6.	M/s. Ram Chand Vikramaditya Nayaganj, Kanpur.	Individual	C.A.P. Ending		As there are no assets of the assessee, there are no chances of recovery of the demand. A demand of Rs. 2,57,147 has, therefore, been written off.
			13-4-43	35,054	
			1-4-44	5,122	
			19-4-45	99,679	
			1945-46	74,551	
			1946-47	42,750	
				<u>2,57,147</u>	
7.	Shri Kailash Nath Agrawal, Choori Mahal, Kanpur.	Individual	1957-58	2,984	Whereabouts of the assessee are not known and the assets known to the department are not sufficient to cover the entire demand outstanding against the assessee. Out of the total demand in arrear against the assessee, a sum of Rs. 2,33,186 has been written off keeping the balance alive for some possible future recoveries out of the assets known to the department.
			1958-59	1,082	
			1959-60	1,00,490	
			1960-61	72,073	
			1961-62	16,280	
			1962-63	17,346	
			1963-64	22,931	
				<u>2,33,186</u>	
8.	Shri Sawal Das Prop. M/s. Sawan Oil Mills, Agra	Individual	1960-61	15,390	The present whereabouts of the assessee are not known. There are also no known assets in the name of the assessee. Therefore, there are no chances of recovery of the demand. The demand of Rs. 1,21,176 has been written off.
			1961-62	83,094	
			1962-63	22,692	
				<u>1,21,176</u>	
9.	Shri Dharam Das Prop. Dayal Oil Mills, Agra.	Individual	1966-67	1,46,530	The present whereabouts of the assessee are not known. There are also no known assets in the name of the assessee. Therefore, there are no chances of recovery of the demand. The demand of Rs. 1,46,530 has been written off.

NOTE.—The statement that the tax due from a person has been written off only means that in the opinion of the Income-Tax Department it can not on the date of publication be realised from the known assets of the assessee. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or the assessee is discharged from his liability to pay the amount in question.

A. C. JAIN,  
Additional Commissioner of Income Tax, Kanpur

## FORM ITNS—

(1) Smt. V. Jayalakshmi, W/o. Venkataraman, 6, 'B' Block, Uma Co-operative Housing Society Shivajinagar, Poona City Maharashtra State.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri T. Natarajan, Partner, M/s. Nataraja Stores, 73, South Masi St. Madurai.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6

Madras-6, the 13th August 1974

Ref. No. F.X/10/41/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 92, situated at Amman Sannathi, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam on 4-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose, of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building measuring about 2090 sq. ft. situated at 92, Amman Sannathi Street, Madurai.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shrimati Rukia Bi, W/o Sri Abdul Wahab, Old Automobile spare parts merchant, Rukia Manzil 75, Road, VISAKHAPATNAM.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th August 1974

Ref. No. J.No. I(1737)/73-74.—Whereas, I K. Subbarao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-8-20, Block No. 41, Ward No. 22 Allipuram ward, Vizag. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 15-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Chintakayala Syamalamba, W/o Chintakayala Satyanarayanarao, Dondaparti, Visakhapatnam.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Visakhapatnam District Visakhapatnam Sub-Registration  
Visakhapatnam Municipality Allipuram Ward Bhanu Street  
Dabagardens Ward No. 22 Block No. 41 T.S. No. 1462  
Municipal asst. No. 24164 Door No. 30-8-20 230 Sq. Yds.

K. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 9-8-74.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Siri Debi Surana W/o. Shri Suruimal Surana, Fancy Bazar, Gauhati.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 13th August 1974

Ref No. A-57/74-75/1641-47.—Whereas, I, N. Pachuah, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 1236, N.K.P. No. 1 situated at Village Belkuchi Mouza Beltola, Gauhati, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer, at Gauhati on 5-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Deb Mikir, S/o. Abat Mikir, Vill. Belkuchi, Mouza, Beltola, Gauhati.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2(two) bighas covered by Dag No. 1236, N.K.P. No. 1 at Village Belkuchi, Mouza,—Beltola in the District of Kamrup of Assam State.

N. PACHUAU,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range,  
Shillong.

Date : 13-8-74.

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 13th August 1974

Ref No 1630-38/A-55/Gau/74 75 —Whereas, I N Pachua, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Periodic Patta No 112 Dag No 672 situated at Mouza Beltola Vill Borsujai, Gauhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gauhati on 11-12-73

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) Shri Suren Boro Vill Borsujai, Beltola Gauhati, (Transferor)

- (2) 1 Shri Deokinandan Kedia, C/o Industrial Equipment, A T Road, Gauhati 2 Shri Kamala Prasad Agaiwalla Jamunamukh Nowgog 3, Shri Prabhudayal Jhunjhunwala, Police Bazar Shillong, Meghalaya (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 (Two) bighas 2 (Two) Kattas and 10 (ten) lechas covered by periodic Patta No 112 and Dag No 672 at Mouza Beltola Village Borsujai, Kamrup District of Assam State

N PACHUAU,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of  
Income-Tax (C A) Acquisition Range,  
Shillong

Date 13 8 74  
Seal

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 13th August 1974

Ref. No. 1618-27/A-58/Gau/74-75.—Whereas, I N. Pachuan being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Patta No. 182, Dag No. 405, situated at Village Patkuchi, Mauza Beltola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gauhati on 15-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhusan Nath, Silpukuri, Gauhati. (Transferor)
- (2) (1) Shri Prakash Chan Patni, Fancy Bazar, Gauhati. (2) Smt. Bhowri Debi Jain, Fancy Bazar, Gauhati. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) bighas 16 (sixteen) lechas covered by patta, No. 182, Dag No. 405 at Vill. Patkuchi, Mouza Beltola in the District of Kamrup of Assam State.

N. PACHUAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-Tax (C.A.) Acquisition Range,  
Shillong.

Date : 13-8-74.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III AAYAKAR  
BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 6th August 1974

No. A.R./III/411/74-75.—Whereas, I Shri R. G. Nerurkar the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 37, City Survey No. 112 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar's Office, Bandra on 27-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri V. D. Desai Rainbow, Shantilal Modi Road, Kandivli, Bombay 67. (Transferor)
2. Shri H. Ali Mohamad H. Yakub, 11/19, Kambekar Street, 1st Floor, Karim Mansion, Room No. 3, Bombay 3. (Transferee)
3. Partners of M/s Mayur Theatres.
  - (1) Ebrahim Joosab.
  - (2) Hawabai Mohamed Yusuf.
  - (3) Maimoona Esmail.
  - (4) Urmila Pravinchandra.
  - (5) Gunwanti Lalitchandra.
  - (6) Zarina A. Majid.
  - (7) Sherbanoo A. Kadar.
  - (8) Sharifa Haji A. Gani.
  - (9) Amritlal Vardhichandra.
  - (10) Haji Alimohamed H. Yakub.  
(person in occupation of the property)
4. Partners of M/s. Mayur Theatres.
  - (1) Ebrahim Joosab.
  - (2) Hawabai Mohamed Yusuf
  - (3) Maimoona Esmail.
  - (4) Urmila Pravinchandra.
  - (5) Gunwanti Lalitchandra.
  - (6) Zarina A. Majid.

- (7) Sherbanoo A. Kadar.
- (8) Sharifa Haji A. Gani.
- (9) Amritlal Vardhichandra.
- (10) Haji Alimohamed H. Yakub.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of leasehold land or ground together with the Theatre and other structures standing thereon and admeasuring 1303 square yards equivalent to 1089.477 square metres or thereabouts situate, lying and being at Kandivali in the Registration Sub-district of Bandra, District Bombay Suburban and bearing Plot No. 37 and bearing City Survey No. 112 and bounded as follows : that is to say : ON or towards the NORTH by land bearing City Survey No. 111; ON or towards the SOUTH by the land bearing City Survey No. 262; ON or towards the EAST by the land bearing City Survey No. 113 and ON or towards the WEST by Netaji Subhas Road.

ALL THAT piece or parcel of land or ground admeasuring 638.53 square yards equivalent to 533.894 square metres or thereabouts situate, lying and being at Kandivali in the Registration Sub-district of Bandra, District Bombay Suburban and forming part of a larger piece of land admeasuring 1234 sq. yds. equivalent to 1031.784 square metres or thereabouts and bearing Plot No. 39 (part) and City Survey No. 262 (part) and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under R Ward No. 917(2) Street No. 275AA Netaji Subhash Road and bounded as follows : ON or towards the North by Plot No. 37 and City Survey No. 112; ON or towards the South partly by Shantilal Modi Road; and partly by the property of Shri Vipin Desai; ON or towards the East partly by Netaji Subhas Road and partly by the property of Shri Vipin D. Desai and ON or towards the West by land bearing City Survey No. 113

R. G. NERURKAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-III,  
Bombay.

Date : 6-8-1974

Seal :



## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14,  
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th August 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb(2)/74-75/2137.—Whereas I, C V GUPTE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Village Katewara, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28/2/1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chuni s/o Shri Amar Singh, r/o Village Katewara, Delhi. (Transferor)
- 2) Shri Rajinder Singh s/o Shri Siri Ram r/o Village MUNDKA, Delhi State, Delhi. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land measuring 47 bighas & 18 biswas comprising of Khasra Nos. 152 (4-14), 144 (4-16), 139 (4-16), 135 (4-11), 136 (0-5), 580 (4-16), 147 (4-16), 143 (4-16), 140 (4-16), 142 (4-16), 141 (4-16) situated at Village Katewara, Delhi State, Delhi.

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 13th August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER :  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 13th August 1974

Ref. No. F. IX/1/22/74-75.—Whereas I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/30 situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Dist. Regr. I. Mds. on 17-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Mrs. C. Prema Kumar, 36, Thirumalai Pillai Road, Madras-17. (Transferor)
2. Mr. Mohamed Hussain, Mrs. Jahanara and Miss Romana, 9-A, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring about 6 grounds 2026 sft. in R.S. No. 1624/B, situated in 1/30, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 13th August 1974.

Seal :

## FORMS ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 13th August 1974

Ref No. F.IX/3/235/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. door No. 1/30 situated at Pantheon Road, Agmore, Madras-8,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR. II. Madras, on 14-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Venkatavalli alias Mrs. C. Prema Kumar No. 36, Thirumalai Pillai Road, Madras-17.

(Transferor)

- (2) Mr. Mohammad Hussain, 9-A, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 3 grounds in R. S. No. 1624/B (Part) situated in 1/30, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN,  
COMPETENT AUTHORITY,  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
MADRAS-6.

Date : 13-8-1974

Seal :

## FORM ITNS

(1) Transport Corporation of India (Private) Ltd., P-4,  
New C.I.T. Road, Calcutta.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shyamabtar Jhunihunwala, P-214, C.I.T. Road,  
Calcutta,

(Transferee)

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th August 1974

Ref. No. Ac/90/R-IV/Cnl/74-75.—Whereas, I, GEORGE VARGHESE,

being the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P-336 C.I.T. Road, situated at Calcutta,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta, on 22-12-1973,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. 336, C.I.T. Road, Scheme No. VI M. 6 cottah 6 chattaks 23 sq. ft of land and structures constructed thereon.

GEORGE VARGHESE,

COMPETENT AUTHORITY

INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV, Calcutta

54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-6.

Date : 12-8-74

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bikramjit Roy Chowdhury, 156. B. T. Road, Calcutta-35.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 19th June 1974

Ref. No. AC-81/R-IV/Ca/74-75.—Whereas, I, GEORGE VARGHESE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khatia No. 1292, 1293, Dag No. 644 situated at P. S. Baranagar, Mouza Ponhugli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Cossipore, Dum Dum on 22-12-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Sm. Manika Majumder, 9, Motilal Nehru Road, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 Bigha 4 Cottabs of land, PS. Baranagar, Mouza— Bonhugli, Kh. 1292, 1293 Dag—644, Dist. 24-Parganas (as described in Deed No. 8703 Case No. 6637).

GEORGE VARGHESE  
COMPETENT AUTHORITY  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 19-6-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Calcutta, the 24th June 1974

Ref. No. AC-82/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I GEORGE VARGHESE

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 64/39 situated at Belgachia Road, Calcutta-37,

(and more fully described in the

Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar of Sealdah, 24-Parganas on 5-12-73,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sm. Sailabala Ghose and Shri Tapan Kumar Ghose, both of 289E, Darga Road, Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Anath Bandhu Chakraborty, 64/44B, Belgachia Road, Calcutta-37.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

8 Cottahs 2 Chhattacks and 29 Sq. Ft. of vacant land No. 64/39, Belgachia Road, Calcutta-37, P.S. Ultadanaga, Holding No. 3/4, Mouza—Belgachia, Sub-division VII, Division II Dihi Panchannagram, Dist. 24-Parganas.

GEORGE VARGHESE  
COMPETENT AUTHORITY  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 24-6-74

Seal ;

## FORM ITNS—

(2) Shri Anand Prakash S/o Shri Shivbux Gehlot of Bara Mandavata Jodhpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th June, 1974

Ref. No. J-17/73 (24)33/129.—Whereas, I. V. P. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Ratanada Road, Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-12-1973, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhoopat Singh S/o Bhom Singh Rajput High Court Colony, Jodhpur,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every persons to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land situated on main Ratanada Road, Jodhpur. Area 2265.39 Jodhpuri Sq. yds.

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 24-6-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhoopat Singh S/o Bhoni Singh Rajput High Court Colony, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Meh Ram S/o Savat Ram (ii) Gordhan Ram S/o Lacha Ram Visnoi of Fitkasanj Teh. Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 24th June, 1974

Ref. No. J-17/73 (24) 19/126.—Whereas, I. V. P. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Jodhpur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhpur on 21-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot situated on Shiv Road near Ratanada main Rd, Jodhpur. Total area 2283.41 Jodhpuri sq. yds.

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-6-1974

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Bhoopat Singh S/o Bhom Singh Rajput, High Court Colony Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Hari Ram, Choga Ram, Gever Ram Vishnoi of Guda Vishnoyan Teh. Jodhpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th June, 1974

Ref No. J-17/73(24)17/128.—Whereas, I. V. P. MITTAL, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Plot situated at Shiv Road, Jodhpur, described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Jodhpur, on 21-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot at Ratanada on Shiv Road, Jodhpur. Total area 2295.69 Jodhpuri sq. vds.

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-6-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhoopat Singh S/o Bhom Singh Rajput High Court Colony Jodhpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harlal S/o Arjan Ram Vishnoi, Fitkasani Teh. Jodhpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur the 24th June 1974

Ref. No. J-17/73(24)18/127.—Whereas, I. V.P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Jodhpur on 21-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. B, situated at Shiv Road, Ratanada, Jodhpur. Total area 2277.57 sq. yds.

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-6-1974.

Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 25th June 1974

Ref. No. J-3/73(23)12/18.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 156 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Babu Lal Jain S/o Shri Mool Shah Jain R/o Adarash Nagar Plot No. 222 Jaipur,

(Transferor)

- (2) Shrimati Heera Devi W/o Shri Sewa Ramji Chittor Adarsh Nagar, Jaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 156, Fateh Tiba, Adarsh Nagar, Jaipur. Total area 90' × 50'.

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-6-74

Seal :

## FORM ITNS—

(2) (i) Shri Vijay Singh (ii) Champalal, Sons of Shri Poonam Chand Caste Oswal Dugar, R/o Chhapar, Teh. Sujangarh Distt Churu.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 28th June 1974

Ref. No. S-28/73(23)1/103.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Chhapar Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sujangarh on 11-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jeewan Mal S/o Late Shri Roop Chand Caste Oswal Nahta R/o Chhapar Teh. Sujangarh, Distt, Churu.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The house known as guest house situated in Mohlla Nahta Bas, Chhapar town. Total plot area 590 sq. yds.

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 28-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Vimla Devi W/o Shri Hans Saroop Gupta  
59, Jaswant Building, Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur the 28th June 1974

Ref. No. J-17/73(23)16/122.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 421 situated at Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering at Jodhpur on 15-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Edna Davis W/o Shri Samuel 421, 1st C Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 421, 1st 'C' Road, Sardarpura, Jodhpur. Total Plot area 3078 sq. ft. Basement covered area 215 sq. ft. and ground floor covered area 1075 sq. ft.

V. P. MITTAL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 28-6-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1974

Ref. No. U-2/73/(23)8/9.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. open plot situated at Udaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Udaipur on 13-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Kesarsingh S/o Shri Laxmansingh Ada r/o Opposite Sahelion Ki Badi, Udaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Anand Kumar & Co., Udaipur.

(Transferee)

(3) Shri Kesarsingh S/o Shri Laxmansingh Udaipur,

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 6A situated opposite Sahelion Ki Bari, Udaipur. Total area of the plot is 125' × 75'.

V. P. MITTAL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-6-1974

Seal :

Form I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th June 1974

Ref. No. 75/Acq/KNP/73-74/4014/903.—Whereas, I Y. Khokhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 108/186 situated at Rambagh, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 24-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Shyama Nigam, Wd/o Sri Manohar Lal  
2. Sri Kamla Kant, S/o Sri Manohar Lal  
3. Sri Rama Kant, S/o Sri Manohar Lal  
All resident of 108/186, Ram Bagh, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Sri Girja Shanker Trivedi  
2. Sri Kripashanker Trivedi  
3. Sri Ashok Kumar Trivedi (minor)  
4. Sri Sanjay Trivedi (minor)  
All R/o 108/186, Ram Bagh, Kanpur. (Transferee)
- (3) 1. Sri Kulveer Singh  
2. Sri Kalyan Singh  
3. Sri Gur Prasad  
4. Sri Gur Charan  
5. Sri Balelhwari  
5. Sri Hans Raj Chawla  
6. Sri Prakash Narain  
7. Sri Munna Lal  
All R/o 108/186, Ram Bagh, Kanpur.  
(Persons whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property bearing Municipal No. 108/186, situated at Rambagh, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur,

Date : 14-6-74

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG.

Shillong, the 10th April 1974

Ref. No. A-29/TSK/AR/73-74/145.—Whereas, I N. Pachuan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2 under part of Dag No. 2018, P.P. No. 114 situated at Tinsukia Town, Mouza Tinsukia, Assam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 1-12-73, 15-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Tinsukia Development Corporation, Limited, Tinsukia,

(Transferor)

- (2) M/s Doors Transport, Tinsukia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring OB-3K-7' 4L under part of Dag No. 2018, P.P. No. 114 of Tinsukia Town, Mouza Tinsukia in the State of Assam

N. PACHUAU,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Shillong.

Date : 10-4-1974

Seal :



## FORM ITNS—

tion 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1974

Ref No. B-28/73(24)1/65.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Bikaner,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 20-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue at the notice under sub-section (1) of Sec-

(1) Shri Das s/o Sh. Naraindas Daga, Bikaner through Sh. Haridas s/o Sh. Naraindas holding spl. power of attorney.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Jankalyan Trust, Daga Mohalla, Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of three storeyed building (Kotdi) situated at Daga Mohalla, Bikaner.

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jaipur.

Date : 22-4-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Haridas s/o Sh. Narain Das Daga, Bikaner.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Mahesh Jan Kalyan Trust, Daga Mohalla, Bikaner.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1974

Ref. No. B-28/73(24)3/67.—Whereas, I V. P. Mittal being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Bikaner, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bikaner on 20-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of three storeyed building (Kotdi) situated at Daga Mohalla, Bikaner.

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jaipur.

Date : 22-4-1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1974

Ref No. B-28/73(24)2/66—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Bikaner, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 20-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Jag Mohan s/o Sh. Naraindas Daga, Bikaner through Shri Haridas s/o Sh. Naraindas holding spl. power of attorney.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Jan Kalyan Trust, Daga Mohalla, Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of three storeyed building (Kotdi) situated at Daga Mohalla, Bikaner.

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jaipur.

Date . 22-4-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

## INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1974

Ref. No. B-28/73(24)4/68.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. building situated at Bikaner, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 20-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ganga Das s/o Shri Narain Das Daga, Bikaner through Shri Haridas s/o Sh. Naraindas holding Spl. power of attorney.  
(Transferor)
- (2) Shri Mahesh Jan Kalyan Trust, Daga Mohalla, Bikaner.  
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of three storeyed building (Kotdi) situated at Daga Mohalla, Bikaner.

V. P. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 22-4-1974,

Seal :

## FORM ITNS—

(2) S/Shri Vinod Kumar Agarwal & Ashok Kumar Agarwal, 7/150, Swaroop Nagar, Kanpur Parmanand, 32/86, Bagia Mani Ram, Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 26th April 1974

Ref. F No. Acq/58/KNP/3406/73-74/289.—Whereas, I, C. S. PANDEY, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/86, situated at Mani Ram Bagia, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Lala Radhey Lal Agarwal, 32/86, Bagia Mani Ram, Kanpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of House property No. 32/86, situated at Mani Ram Bagia, Kanpur.

C. S. PANDEY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 26-4-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1974

Ref. F. No. Acq/66/KNP/3728/73-74.—Whereas, I, C. S. PANDEY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 88/114 situated at Prem Nagar, Sheo Sahai Road, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 14-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Bishambhar Nath Pande S/o Sri Shiva Rakshak Pande;
- (2) Sri Kajlashnath Pande C/o Sri Shiv Rakshak Pande;
- (3) Sri Vishwanath Pande S/o Sri Shiv Rakshak Pande;
- (4) Sri Girish Nath Pande;
- (5) Sri Som Nath Pande;

- (6) Mrs. Uma Shankar D/o Sri Shiv Rakshak Pande;
- (7) Km. Krishna Pande D/o Sri Shiv Rakshak Pande;
- (8) Smt. Pushpa Rani Awasthi D/o Sri Shiv Rakshak Pande;
- (9) Smt. Satya Misra D/o Shri Shiv Rakshak Pande;
- (10) Smt. Kamla Pande Wd/o Shri Shiv Rakshak Pande;  
all resident of 88/114, Prem Nagar, Sheo Sahai Road, Kanpur.

(Transferors)

- (2) Smt. Padam Kumari W/o Sri Sitaram Gupta, 74/101, Dhankutti, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 88/114, Prem Nagar, Sheo Sahai Road, Kanpur.

C. S. PANDEY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date . 26-4-74

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. Sudashan Kaur W/o Gurusaran Singh, No. 4-B, Savodaya Nagar, Kanpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th April 1974

Ref. No. F.55/Acq/Kanpur/73-74/139.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-B situated at Savodaya Nagar, Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 4-12-73

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Anoop Singh S/o Sri Krishna Singh, R/o 5- Gulistan Colony, Lucknow.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4-B measuring 1071 square yards situated at savodaya Nagar, Kanpur, apparent consideration of which is at Rs. 46,000/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Kanpur.

Date : 15-4-1974

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 22nd April 1974

Ref No. Acq./76/4034/73-74/187.—Whereas, I Y. Khokhar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/89D, situated at Civil Lines, Kanpur-I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 24-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shiv Devi Srivastava Wd/o Sri Baij Nath Srivastava, 13/306, Parmat, Kanpur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Indra Shukla W/O Sri Krishna Chandra Shukla, Village Khamela Tehsil Derapur, Distt. Kanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property No. 15/89D, Civil Lines, Kanpur-I, Kanpur.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-4-74.

Seal :



## FORM ITNS—

(2) Shrimati Ajit Singh C/o Sri Ram autar Singh, New Area, Jakanpur, P.S. Kotwali, Dt. Patna.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 6th February 1974

Ref. No. III-80/Acq./73-74/1533.—Whereas, I, J. Nath, I.A.C., of Income-tax, Acquisition Range, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil, situated at Boring Canal Road, Patna (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Patna on 27-12-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Vijay Kumar & Sri Ajay Kumar, S/o Prof. Baidya Nath, New Dak Bunglow Road, P.S. Kotwali, Dt. Patna.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building, area-6 Kathas at Boring Canal Road, Patna. Tanzi No. 805, Khota No. 125, Plot No. 1077.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna.

Date : 6-2-74,

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad 380009, the 21st February 1974

Ref No 80/Acq 23 123/14 6/73-74 —Whereas, I P N Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Survey No 1995/41 at Mehsana situated at Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 6-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Tejaji Punjaji Thakor, Mal Godown, Mehsana  
(Transferor)

(2) Shri Jadiben Mohanlal widow of Mohanlal Babaldas Panchal, village Mitha, Distt Mehsana  
(Transferee)

(3) Shree Udaynagar Co Operative Housing Society through its President Shri Kanaialal Vithaldas Sathwara, c/o Navinchandra Rawal, Uncho Bhatwado Mehsana

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Survey No 1995/41 admeasuring 4791-10 sq. yards on ST Road, Mehsana.

P. N. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 21st February, 1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Dineshchandra Chimanlal Mchta, Asha-nagar, Navsari.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 1st May 1974

Ref. No. PR95/Acq. 23-117/7-4/73-74.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal H. No. 743/A to 743/A-1 in Mun. Ward No. 6 situated at Asha-nagar, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Navsari on 19-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shantaban, wife of Shri Dhirubhai Khandubhai Desai.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building bearing Muni. House No. 743/A to 743/A-1—Land admeasuring 6348 Sq. ft. situated at Asha-nagar, Municipal Ward No. 6, Navsari—as mentioned in the Registration Deed No. 1171 of December 1973 of the Registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 1st May, 1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Bhogibhai Kanjibhai Mistry.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 10th June, 1974

Ref. No. PR. 101/Acq. 23-92/19-8/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 2447 Ward No. 7 situated at Saiyedpura, Choki Street, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1948) in the office of the Registering Officer at Surat on 13-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Ramanlal Motibhai Patel.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land and building bearing Nondh No. 2447 Ward No. 7 situated at Saiyedpura, Choki Street, Surat—Land admeasuring 136 Sq. yds. with construction on the gr. floor 136 Sq. yards—1st, 2nd and 3rd floors 640 Sq. ft. each and 4th floor 480 Sq. ft. as mentioned in the registered deed No. 4331 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 10-6-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Partners of M/s Jayashree Land Development Syndicate on behalf of the firm, Satishchandra Jamnadas Shah—Chandrakant Devjibhai  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th June 1974

Ref No PR 102/Acq 23 96/19-8/73-74 —Whereas I P N Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Ward No 1 Nondh No 496 Paiki situated at Nanpura, Main Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) Shri Saleh Nomanbhai on his behalf & on behalf of Khadijaba Nomanbhai, Khaiyum Nomanbhai Daudi Nomanbhai as power of attorney holder  
Taher Mohmedbhai on his behalf and on behalf of Khadija Mohmedbhai, Daudi Mohmedbhai as power of attorney holder  
Daudi Isufali and on behalf of Mariam Taryabji Hatim Isufali, Khadija Ibrahim Abdul Kayum, Ateka Alibhai Malbari, Sufia Isufi Kherulla Fateem  
Tarab Motiwala and Rukhaya Ismail Salehbhai  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nanpura, main road, Ward No 1, Nondh No 496 Paiki—Surat—admeasuring 539 Sy yards as mentioned in registered deed No 4871 of December 1973 of the Registering Officer, Surat

P. N MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad

Date 10-6-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Principal Officer, Swashraya Benefit Pvt. Ltd., Surat.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 10th June 1974

Ref. No. PR. 103/Acq. 23-133/19-8/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. Sur. No. 13/2 and 14, Ward No. 13 Nondh No. 3 and 2, Plots Nos. 4, 5, 6 &amp; 7 situated at Diwali Baug, Athwa Lines, Surat

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 17-12-1973

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Maneklal Bhagwandas Reshamwala Shantaben Maneklal Reshamwala Vinodchandra Sakerlal Kapadia Shusmaben Vinodchandra Kapadia Matulal Ranchhoddas Ghadava Jayavadan Ramnilal Veerendra Ramniklal Narendrakumar Balubhai Pachhigar.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing of the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Diwalibaug, Athwa, Lines, Surat—Rev. Sur. No. 13/2 &amp; 14, Ward No. 13, Nondh No. 3 &amp; 2—out of 2306-1-2 Sq. yards sub-plots Nos. 4, 5, 6 &amp; 7 each plot admeasuring about 330 Sq. yards and total area about 1320 Sq. yds. with foundation construction as mentioned in registered deeds No. 4413, 4415, 4416 and 4414 of December 1973 of the Registering Officer, Surat, respectively

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Ahmedabad.

Date 10-6-1974.

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Savitaben Madanlal Bombay.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th June, 1974

Ref. No. PR. 104/Acq. 23-112/19-7/73-74.—Whereas, I  
P. N. Mittal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 1 Nondh No. 717 situated at Bhatia Moholla, Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (2) Indranil Apartments Co-operative Housing Society, Surat—by its Chairman—Sri Maheshchandra Chhabildas Mehta Secretary—Nitin Nalinkant Ruwala Member of Committee—Gopal Raojirao Shinde.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Bhatia Mohalla (Bunder Moholla) Manpura, Surat bearing Ward No. 1, Nondh No. 717—admeasuring 167 Sq. Yards as mentioned in the registered deed No. 4802 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 12-6-1974.

Seal :

## FORM ITNS

—Surat—by its Chairman—Shri Maheshchandra Chhabildas Mehta Secretary—Nitin Nalinkant Ruwala Member of Committee—Gopal Raojirao Shinde. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 12th June 1974

Ref. No. PR-105/Acq. 23-113/19-7/73-74.—Whereas I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 1 Nondh No. 718 situated at Bhatia Moholla, Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, nameiy :—

- (1) Fulmaniben Balvantram, Bombay (Transferor)
- (2) Indranil Apartments Co-operative Housing Society

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land bearing Ward No. 1—Nondh No. 718 admeasuring 139 Sq. Yards situated at Bhatia Moholla (Bunder Moholla) Nanpura, Surat—as mentioned in the registered deed No. 4801 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 12-6-1974.  
Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th June 1974

Ref. No. PR.106/Acq. 23-180/19-8/73-74.—Whereas I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Ward No. 1 Nondh Nos. 715 and 716 situated at Bhatia Mohalla, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Madanlal Balvantram Vakharia, Bombay  
(Transferor)
- (2) Indranil Apartments Co-operative Housing Society, Surat by its Chairman Maheshchandra Chhabildas Mehta Secretary—Nitin Nalinkant Ruwala Member of Committee—Gopal Raojirao Shinde
- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open piece of land in Mun. Ward No. 1 Nondh Nos. 1/715 and 1/716 situated at Bhatia Mohalla (Bunder Mohalla) Nanpura, Surat—admeasuring in all 290 sq. yards each parcel of land admeasuring 134 sq. yds. and 156 sq. yds. respectively as mentioned in the registered deeds No. 4803 and 4804 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 12-6-1974.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II

AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th June 1974

Ref. No. 108/Acq. 23-181/19-7/73-74.—Whereas I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mun. Ward No. 1, Nondh No. 1333 & 1334 Paiki—Plot No. 2 situated at Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Jeevanlal Nebhumal Gopichand Nebhumal So aparl Sadan, Ambaji Rd., Nani Chhipwad, Surat.  
(Transferor)
- (2) Kamalaben Govindram Jayashriben Narandas Nanpura, Surat.  
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Mun. Mard No. 1, Nondh No. 1333 & 1334 Paiki Plot No. 2 situated at Nanpura, (on way to Majura Gate) Surat—admeasuring 600 Sq. Yds. as mentioned in the registered deed No. 4668 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 24-6-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Chandulal Jivabhai Patel, Hansa Society, Varachha Road, Surat (Transferee)

(4) Pravin Ichcharam Gandhi

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380009, the 24th June 1974

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. PR/111 Acq. 23-93/19-8/73-74.—Whereas I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mun. Ward No. 7 Nondh No. 4104 situated at Unapani Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Surat on 6-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Hormasha Faramroz Daruwal a Delhi Gate, Unapani Road, Surat, (Transferor)

## THE SCHEDULE

Property (land and certain old structures) bearing Nondh No. 4104—Mun. Ward No. 7 situated at Unapani Road, Surat—admeasuring 134 Sq Yds. as mentioned in the registered deed No. 4217 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 24-6-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR HANLDOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th June 1974

Ref. No. PR.107/Acq. 23-98/19-8/73-74.—Whereas I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muni Ward 10 Nondh No. 1489 situated at Motipole, Gopipura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Kusumchand Babubhai Sarkar, Pravinchandra Babubhai Sarkar, Gopipura, Vorwad, Surat.  
(Transferor)

(2) Girichhaya Apartment Co-op. Housing Society, Motipole, Gopipura, Surat, on behalf of the society  
—Chairman—Rajesh Babubhai Damania Secretary  
—Vijaykumar Keshavlal Shah Member—Subhash Kantilal Chokshi

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Moti Pole, Gopipura, Surat bearing municipal Ward No 10, Nondh No. 1489 Street No. 58—admeasuring 159 sq. yds. as mentioned in the registered deed No. 4894 of December 1973 of the Registering officer Surat.

P. N. MITTAL.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Ahmedabad.

Date : 24-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009  
MADRAS-6

Ahmedabad-380009, the 27th June 1974

Ref. No. PR 112/Acq. 23-183/19-8/73-74.—Whereas I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Sur. 63/1 Plots No. 36 to 42 and 43 to 50 situated at Umra, Chorasi, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 26-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Partners of M/s. Swastik Housing Corporation—on their own behalf & on behalf of the firm—Chhotubhai Narottambhai Patel Maganbhai Amthabhai Karsanbhai Amthabhai, Nathubhai Ganeshbhai Patel Vanmalibhai Bhikhabhai Patel Savitaben Jagabhai Patel Bhuliben Wd./of Jagabhai Parsottambhai.  
(Transferor)
- (2) Kiran-Deep Co-operative Housing Society President—Shantaben Jayantilal Damakia Secretary—Dr. Natubhai Chhaganlal Bhandari Surat.  
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 63/1 12.20 Acres paiki Plots No. 36 to 42 admeasuring about 1239.52 Sq. yards and Plots No. 43 to 50 admeasuring about 1784.87 sq. yards i.e., total about 3024 sq. yds. situated at Umra, Tal. Chorasi, Surat as mentioned in the registered deeds No. 4620 and 4619 of December 1973 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-II  
Ahmedabad.

Date : 27-6-1974.

Seal ;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANLDOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th June 1974

Ref. No. Acq. 23-I-84/1-1/73-74.—Whereas, I J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 380/1 Sub-Plot Nos. 5 & 6 E.P. No. 93, T.P.S. No. 10 situated at Rakhial, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-12-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Prabodhchandra Panachand Shah, 2. Shri Kamleshkumar Panachand Shah, 3. Shri Kiritkumar Panachand Shah, 4. Chri Janakkumar Prabhodchandra Shah, 5. Smt. Shantaben Panachand Shah, Partners of M/s. Panama Textile Mills,

Factory address :—Nagarvel Hanuman, Opp. Jalaram Estate, Rakhial, Ahmedabad-23.

- Office address :—183, New Cloth Market, Ahmedabad-2.
- (2) M/s. Aspiat Textile Mills, 5, Panchayat Bhavan, Bhadra, Ahmedabad. (Transferee)
  - (4) Gujarat State Financial Corporation.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of free-hold land or ground situated lying and being at Rakhial bearing Sub-Plot No. 5 & 6 of Survey No. 380/1 of Mouje Rakhial of City, Taluka in the Registration District and Sub-District of Ahmedabad and Final Plot No. 93 of Town Planning Scheme No. 10, admeasuring 1803 and 1850 sq. yards or thereabout respectively and undivided 326.2/3 sq.yards of land of road together with the buildings constructed thereon and also buildings constructed on Sub-Plot No. 4 of Survey No. 380/1 of Mouje Rakhial and Final Plot Plot No. 93 of Town Planning Scheme No. 10, and boiler, Chimney, boarings together with electric fittings thereto and bounded as under :—

	Sub-Plot No. 5	Sub-Plot No. 6
East : :—	Plot No. 4	Plot No. 4
West :—	Plot No. 6	T.P.S. Road
North :—	20 ft. road.	20 ft. road
South :—	Final Plot No 92	Final Plot No. 92

I. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range-I  
Ahmedabad.

Date : 17-6-74

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1974

Ref. No. Acq.23-I-170/16-1/7475.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Survey No. 244, situated at Near Power House, Dhoraji (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraji Dist. Rajkot on 31-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Patel Vira Karamshi, Khalawad Plot, Dhoraji, Distt. Rajkot. (Transferor)
2. Shri Mohanlal Gokaldas Patel, Partner of M/s. Patidar Oil Cake Industries, Bhakumbhaji para, Dhoraji, Distt. Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 11616 Sq. Yards bearing part of Survey No. 244, situated Near Power House, Dhoraji, Distt. Rajkot and bounded as under :—

East : Part of Survey No. 244,  
West : Govt. waste land.  
South : Agricultural land of Jiva Devshi  
North : Plot of Jambai Ladha.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date: 1-6-1974.

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1974

Ref. No. Acq. 23-I-87/16-6/73-74.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 11 and 12 of Survey No 189 situated at Near Rajmoti Industries, Bhavnagar Road, Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 28-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. (1) Shri Kurti Kheraj Morzaria, 8, Millpara, Rajkot and (2) Shri Dilipkumar Hansrajibhai Morzaria, Durlab Mension, Karan Singhji Road, Rajkot, —partners of M/s. Morzaria Bros., Rajkot.  
(Transferor)
2. Tinmco (P) Ltd., Near Rajmoti Industries, Bhavnagar Road, Rajkot.  
(Managing Director: Shri Anilkumar Narharidas Patel, Director: Shri Krishnakant Chunilal Patel.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property bearing Survey No. 189 and Plot Nos. 11 and 12, admeasuring 2197 Sq. Yards (alongwith construction) situated Near Rajmoti Industries, Bhavnagar Road, Rajkot and bounded as under:—

East: Land of Survey No. 189  
West: 40 ft. wide road.  
North: 40 ft. wide road.  
South: 40 ft. wide road.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date: 1-6-1974.

Seal:



## FORM ITNS

2. Shri N. Venkatasubramanian, S/o late Sri Narayana Iyer, No. 3, Prithvi Avenue, Madras-18.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. 860/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 140 situated at Kalashetra Colony, Thiruvannamiyur Panchayat, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet on 6-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

1. Dr. N. Sivakamu, "Upasika" Cottage, Theosophical Society, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 8.65 grounds (with building) bearing Door No. 140, Kalashetra Colony and S. No. 158/10 in Thiruvannamiyur Panchayat, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2,  
Madras-6.

Date : 30-5-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri C. S. Sivanandan, No. 14, Srinagar Colony,  
Saidapet, Madras-15.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
MADRAS-6

Madras, the 30th May 1974

Ref. No. 863/73-74.—Whereas, I. A. Raghavendra Rao being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14 situated at Srinagar Colony, Saidapet Madras-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Saidapet on 13-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Mumtaz Ahmed, S/o G. R. Ahmed, No. 11/1,  
Prakasa Mudali Street, T Nagar, Madras-17.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.85 grounds (with building) in Door No. 14, Srinagar Colony, Saidapet, Madras-15.

A. RAGHAVENDRA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 30-5-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1974

Ref. No. BAC. No. 17/74-75.—Whereas, I S. BALASUBRAMANIAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 4-8/80/C situated at Khammam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khammam on 10-12-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Sri Bhonagiri Suryaprakasa Rao, S/o Narayana, Illendu Taluk, Khammam Dist.

(Transferor)

- (2) 1. Atmakuri Latchiah
2. Atmakuri Janardan Rao
3. Atmakuri Krishnamurthy
4. Atmakuri Chandrasekhara Rao
5. Atmakuri Brahmananda Rao
6. Devata Rajarao,
7. Devata Naga Prasad
8. Rayapudi Ramasesaiah
9. Rayapudi Venkatasubramanyam Gupta
10. Kanda Bhikshalakshmi
11. Gunda Lakshmikantham

R/o Grain market Road, Khammam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House No. 4-8-80/C Khammam Kuyaka Parameswari Dal Flour Rice and Groundnut Oil Mill, Zahirpura Khammam. (Area 5173.90 Sq. Meters.)

S. BALASUBRAMANIAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date : 13-6-1974  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1974

Ref. No. RAC. No. 16/74-75.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAM,

S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/289 B-1 and B-2 situated at Chalmiah Street, Cuddappa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddappa on 20-12-73,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. B. Venkat Narsiah,  
2. Narsaiah, S/o Pitchiah,  
3. P. Venkata Subbiah,  
4. Jayamma, W/o Y. Rajareddy,  
5. Y. Rajasekkareddy,  
6. Jinka Chandrayudu,  
7. J. Lakshmi Narayan S/o Pulliah,  
Door No. 9/289-B-1 and B-2 Pottipati Chalmiah Street, Cuddappa.

(Transferor)

- (2) 1. Sri P. Krishnamurthy, S/o P. Venkatappa,  
2. A. Venk. Tulassamma, W/o Ven Narsu,  
3. A. Lalitamma, W/o A. Thimn,  
4. A. Rukminamma, W/o A. Ranganathan,  
5. P. Adi Laxamma, W/o P. Rammpa,  
All R/o Cuddappa, No. 9/289/B-1, Pottipati Chalmiah Street, Cuddappa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Srinivasa Picture Palace, Door No. 9/289/B-1 and B-2 Potti Chalmiah Street, Cuddappa, A.P.

S. BALASUBRAMANIAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date : 13-6-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Tota Ram, S/o Shri Lal Ram, R/o 16/1870,  
Gali No. 46/47, Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD  
FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 25th June 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/1472/74-75.—Whereas I, D. B. Lal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XVI/2108, situated at Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27-12-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me..

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harcharan Singh, s/o Shri Basant Singh, R/o 9A/26, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16/2108, built on plot of leasehold land measuring 233 sq. yds situated on Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi.

D. B. LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Date : 25th June, 1974.

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
NOTICE

STENOGRAPHERS' GRADE I LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975

*New Delhi, the 7th September, 1974*

No. F.13/10/73-EI(B).—A limited departmental competitive examination for inclusion in the Select List for the Grade I of the Central Secretariat Stenographers' Service will be held by the Union Public Service Commission commencing on 11th March, 1975 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI MADRAS, NAGPUR and Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated 7th September, 1974.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 9).

2. The approximate number of persons to be selected for inclusion in the Select List for the Grade I of the C.S.S. on the result of this examination will be 20.

The above number is liable to alteration.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00, which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. *This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' GRADE I LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' GRADE I LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application forms must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 4th November, 1974 (18th November, 1974 in the case of candidates residing abroad and in the Andaman and Nicobar and Islands or in Lakshadweep from a date prior to 4th November, 1974), accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

6. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI, Dy. Secy.  
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

*Instructions to Candidates*

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 3 of the Notice. *Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

*A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.*

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

NOTE.—Candidates should clearly specify in column 6 of the Application Form the name of the Language in which they wish to answer question papers in (i) Procedure and Practice in Government of Indian Secretariat and Attached Offices, (ii) General Knowledge of the Constitution of India and Machinery of Government, practice and procedure in Parliament and (iii) General Knowledge vide paragraph 3 of Appendix to the Rules of the Examination. The option once exercised shall be treated as final, and no request for alteration in the said column shall be entertained. If no entry is made in the said column, it will be assumed that the papers will be answered in English.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

*No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep, from a date prior to 4th November 1974.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his applications :—

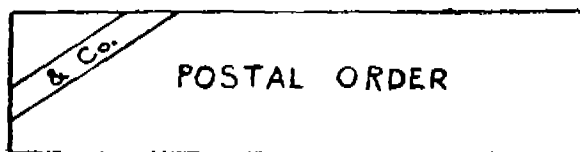
- (i) **CROSSED** Indian Postal Orders for the prescribed fee (See Annexure I).
- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (iv) Attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission, where applicable (See para 5 below).

**NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORT-HAND TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JUNE, 1975. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FALL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES, IN ORIGINAL, AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.**

Details of the documents mentioned in items (i) and (ii) are given below and of those in items (iii) and (iv) are given in paras 4 and 5 :—

(i) **CROSSED** Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any toher Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

**NOTE.—**Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount of the account head "051. Public Service Commission Examination fees". The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) **Two copies of Photograph.**—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

**N.B.**—Candidates are warned that if an application is not accompanied with the copies of photograph without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; and if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri\*/Shrimati/Kumari—  
son\*/daughter of \_\_\_\_\_ of Village\*/town—  
of District\*/Division \_\_\_\_\_ of the State\*/Union  
Territory of \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste\*/  
Tribe which is recognised as a Scheduled Caste\*/Scheduled  
Tribe under Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists  
(Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisa-  
tion Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966\*.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes,  
Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled  
Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes  
Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes  
Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order,  
1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order,  
1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes  
Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes  
Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri\*/Shrimati/Kumari \_\_\_\_\_ and\*/or his\*/  
her family ordinarily reside(s) in village\*/town \_\_\_\_\_  
of District\*/Division \_\_\_\_\_ of the State\*/Union  
Territory of \_\_\_\_\_

Signature.....  
\*\*Designation.....  
(with seal of office)

Place .....State\*/Union Territory

Date.....

\*Please delete the words which are not applicable.

**NOTE.**—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/  
Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commis-  
sioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/

City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioners.

(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/ Development Officer Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan seeking remission of the fee under paragraph 2 of the Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal /Director (Rehabilitation), in Calcutta.

He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

He should also produce an attested Certified copy of a certificate from District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

6. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

7. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

8. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of application for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

9. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

10. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

11. *Communications Regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

12. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 11 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ADVT NO. 36

APPLICATIONS ARE INVITED FOR THE FOLLOWING POSTS

- \* Qualifications relaxable at Commission's discretion.
- \* Higher initial pay may be given according to qualifications.
- \* Age on 1st January 1974 (age concessions for displaced persons, SC, ST & Govt servants unless stated otherwise).
- \* For details and application forms, write—Secretary, UPSC New Delhi-110011 with unstamped, self-addressed envelope (23 × 10 cm) giving name of post, item & Advt No.
- \* Nature of posts—*Permanent* : S. Nos. 8; 1, 20, 22 & 25 but apptd on temp basis. *Temporary* : S. Nos. 2 to 7, 9 to 19, 21, 23 & 24 but likely to continue indefinitely.
- \* Application Fee in Indian Postal Order for Rs. 8 (Rs. 2 for SC & ST); candidates abroad pay fee to Indian Embassy.
- \* *Closing date for receipt of applications in Commission's Office* : 7th Oct 74 (21st Oct for candidates abroad, Andaman Nicobar & Lakshadweep).

#### ABBREVIATIONS

SC—Scheduled Castes; ST—Scheduled Tribes; EQ—Essential Qualifications.

1. ONE PROJECT OFFICER (PETRO-CHEM), PETRO & CHEM MIN.—PAY : Rs. 1300—60—1600 (Unrevised).



AGE: 45 yrs. FQ: M.Sc. deg in Chem or deg in Chem Engg/Tech. 10 yrs pract exp (incl 2 yrs in Petro-Chems) connected with project plng, process evalu & dev in Chem industry or eqv exp in Govt Deptts dealing with plng/dev/prob problems of chem industries & exp in evalu of indstl project reports.

2. ONE RES OFF-CCR, NAO, CAL, Sc & TECH DEPTT.—PAY: Rs. 700—40—900—LB—40—1100—50—1300 (Revised). AGE: 40 yrs. EQ: Master's deg in Geog or allied subject. Adequate exp of res involving collection of data & preparation of maps of varied types of which evidence to be furnished.

3. ONE ASST DIR (CHEM), NTH, CAL/BOM, SUPPLY & REHAB MIN.—PAY: Rs. 400—40—800—50—950 (Unrevised). AGE: 40 yrs. EQ: Master's or eqv Hon deg in Pure or Applied Chem. OR Deg or eqv dip in Chem Engg & 5 yrs exp in analysis of organic & inorganic materials.

4. SEVEN JR HYDROLOGISTS, CGWB, FARIDABAD (HARYANA)—(3 posts reserved for SC). PAY: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. AGE: 35 yrs. EQ: Master's deg in Geol or Hydrology or Deg in Civ Engg.

5. TWO DY DIRS (FOOD INDUSTRY), INDUS DEV MIN.—(1 post reserved for ST). PAY: Rs. 700—40—1100—50—1250 Revised to Rs. 1100—50—1600. AGE: 40 yrs. EQ: Dg in Food Tech/Chem Engg or Deg in Sc with Post-Grad Dip in Food/Fruit Tech. 7 yrs exp in respon position in tech orgn or indstl concern of repute dealing with food & allied industry.

6. ONE SSO-I, INSTT OF ARMAMENT TECH, POONA, DEF MIN.—PAY: Rs. 700—50—1250— (Likely to be revised). AGE: Pref below 40 yrs. EQ: II Cl deg in Elecon/Communication Engg OR II Cl Master's deg in Phy with Elecon as a subject & 5 yrs exp in teaching, res/design & dev in the field of specialisation.

7. ONE SSO-I, DEV TEAM, JABALPUR, DEF MIN.—PAY: 700—50—1250 (Likely to be revised). AGE: Pref below 40 yrs. EQ: II Cl Def in Mech Engg, 4 yrs exp in design & dev of Armaments with special bias in Guns.

8. ONE CHIEF DFTSMAN, PING & DEV UNIT, DG, AIR.—PAY: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—10—1200 (Revised). AGE: 35 yrs. EQ: Deg in Engg pref with exp in a Drawing Office dealing in Elect, Mech & Civ Engg designs. OR Dip in Engg & A yrs exp in a respon capacity in Drawing Office dealing in Elect, Mech & Civ Engg Designs

9. FOUR J.S.O.s, ADE, BLORE, DEF MIN.—PAY: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). AGE: Pref below 30 yrs. EQ: For Cat I & II (2 posts): II Cl deg in Elecon Engg or in Elect Engg with specialisation in Elecon. For Cat III (1 post): II Cl deg in Tele-com/Elecon Engg. For Cat IV (1 post): II Cl Master's deg in Phy with Solidstate Phy or Elecon as a special subject or II Cl Deg in Elecon Engg.

10. TWO J. S. O.s, D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—EB—40—1000—EB—40—1200 (Revised). AGE: Pref below 30 yrs. EQ: II Cl dev in Elect Engg.

11. ONE ASST LECTURFR IN ENGG & SURVEYING, FOREST RES INSTT & COLLEGES, DEHRA DUN.—PAY: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. AGE: 30 yrs. EQ: Def in Civ Engg or A.M.I.C.E. or eqv.

12. NINETEEN J.S.O.s, D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY: Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 to be revised to Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. AGE: Pref below 30 yrs. EQ: II Cl deg in Aero/Mech Engg.

13. ONE J.S.O., D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY: Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Revised to Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. AGE: Pref below 30 yrs. EQ: II Cl deg in Chem Engg.

14. FOUR J.S.O.s, D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY: Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 likely to be revised to Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. AGE: Pref below 30 yrs. EQ: II Cl Deg in Metallurgical Engg.

15. ONE J.S.O., D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). AGE: Pref below 30 yrs. EQ: II Cl Def in Instrument Tech.

16. FIVE J.S.O.s, D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF MIN.—PAY: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). AGE: Pref below 30 yrs. EQ: II Cl Deg in Elecon/Tele-comm/Elect Engg with specialisation in Elecon. OR II Cl Master's Deg in Phy with specialisation in Radio/Tele-comm.

17. ONE SSO-II, INSTT OF ARMAMENT, POONA, DEF MIN.—PAY: Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised). AGE: Pref below 30 yrs. EQ: II Cl Def in Elect Engg 2 yrs exp in teaching, res/design & dev in the field of specialisation.

18. ONE SSO-II, ARMAMENT RES & DEV ESTT, PASHAN, PUNE, DEF MIN.—PAY: Rs. 400—40—800—50—950 (Likely to be revised). AGE: Pref below 30 yrs. EQ: II Cl Deg in Mech Engg. 2 yrs in prod of genl engg components & their inspection.

19. TWO RES OFF-CRS (ENGG CIVIL), CENTRAL WATER & POWER RES STATION, POONA, IRRIGATION & POWER MIN.—(One post each reserved for SC & ST failing which reserved for ST & SC; failing both unreserved). PAY: Rs. 400—40—800—50—950. AGE: 35 yrs. EQ: Deg in Civ Engg.

20. ONE ASST DIR GR I (COSTING), COM MIN.—(Reserved for SC failing which for ST & failing both unreserved). PAY: Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Revised to Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1200. AGE: 35 yrs. EQ: Associate of Instt of Chartered Accountants of India or Instt of Cost & Works Accountants of India or eqv. Some exp of dealing with costing & financial problems.

21. ONE SUPDT, VOCATIONAL REHAB CENTRE FOR PHYSICALLY HANDICAPPED, LABOUR MIN.—PAY: Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950 likely to be revised to Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1200. AGE: 40 yrs. EQ: Deg of recog Univ. 5 yrs exp in work relating to rehab or placement of evalu or trg of physically handicapped persons.

22. ONE TECH OFF-CCR (EXHI), HEALTH & F. P. MIN.—PAY: Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). AGE: 35 yrs. EQ: Deg of recog Univ. 3 yrs exp in organising exhibitions.

23. ONE STORES OFF-CCR, ZOOLOGICAL SUR OF INDIA, Sc & TECH DEPTT.—PAY: Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950 (Unrevised). AGE: 30 yrs. EQ: Deg of recog Univ. 3 yrs exp in purchase, maintenance & upkeep of stores & maintenance of stores account.

24. THREE ASST ENGRS, HEALTH, ELECT & WORKS DEPTT, U.T. PONDICHERRY.—(Reserved for SC if available, otherwise for ST). PAY: Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. AGE: 35 yrs. EQ: Deg in Civ Engg or Dip in Civ Engg with 3 yrs professional exp.

25. ONE HEALTH EDU TECHNICIAN GR I (EDITORIAL HINDI), DGHS, HEALTH & F. P. MIN.—(Reserved for SC, will be treated unreserved, if no SC/ST available). PAY: Rs. 550—25—750—EB—30—900 (Revised). AGE: 35 yrs. EQ: Master's deg in Hindi. OR Oriental quals in Hindi such as Sahitya Ratna with deg & 3 yrs journalistic exp in Hindi in a periodical journal, daily Newspaper or news agency or under Government.

#### CORRIGENDA

1. ONE SSO-I, TEXTILES & STORES RES & DEV ESTT, KANPUR, DEF MIN.—(UPSC Advt No. 27 item 12 published on 6-7-74). EQ: (i) amended as "II Cl Deg in Textile Chem." Closing date extended to 7-10-74 (21-10-74 for candidates abroad).

II. TWO ASSTT DIRs OF MUSIC, FILMS DIV, 1 & B MIN.—(UPSC Advt 15 item 12 published on 8-4-74). Rectt to these posts is hereby cancelled. Fee paid by the candidates will be refunded in due course.

STENOGRAPHERS' GRADE 1 LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1975

TO BE HELD ON 11TH MARCH, 1975

Certain categories of departmental candidates only who are employed in Grade II of the Central Secretariat Stenographers'

Service are eligible to apply for the examination which is being held for inclusion of persons in the Select List for Grade I of the CSSS. Details and forms obtainable from Secretary on payment of Re. 1/- by MO or Cash at UPSC counter.

Closing date : 4th Nov. 1974 (18th Nov. 1974 for candidates abroad).

A. C. BANDYOPADHYAY

Secretary,

Union Public Service Commission